राज एक्सप्रेस
भोपाल, गुरुवार, 19 मई 2011

चित्रकला, प्रश्नोत्तरी और रैली से होगा जनजागरण

छतरपुर। 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर जिले में प्रात:कालीन रैली, प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरण किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ भावना वालिम्बे ने बताया कि 22 मई को सुबह 7 बजे छतरपुर में बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम से जैवविविधता के प्रति जागरूकता रैली निकाली जाएगी। जो छत्रसाल चौराहा से होकर गांधी स्मारक भवन पहुंचेगी। यहां वन जैवविविधता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजन किया जाएगा। इसके बाद इसी विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता होगी। जो दो श्रेणियों में रखी गई है। कक्षा 4 से 8 वीं तक जूनियर और कक्षा 9वीं से कक्षा 12 वीं तक सीनियर श्रेणी के बच्चे प्रतियोगिता में भाग लेंगे। सवा 9 बजे सास्कृतिक कार्यक्रम के तहत वाराणसी की आकांक्षा तिवारी का गायन, गाजियाबाद की शालिनी सिंह का कथक नृत्य और शिवपूजन अवस्थी का तबला वादन होगा। 10 बजे पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

छतरपुर (आरएनएन)। जनपद पंचायत राजनगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ शंकर बुंदेला पिछले दिनों युवक कांग्रेस के खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अध्यक्ष चुने गए हैं। चुनाव जीतने के बाद वे 19 मई को राजनगर आएंगे। सिद्धार्थ के स्वागत के लिए जनपद पंचायत राजनगर के प्रवेश द्वार बमीठा में कार्यकर्ता खास इंतजाम करने में जुटे हैं। जानकारी के अनुसार वे 19 मई को तीन बजे बमीठा पहुंचकर हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। उसके बाद एक विशाल जुलूस में कार्यकर्ताओं के साथ वे जनपद पंचायत राजनगर पहुंचेंगे। जहां आमसभा रखी गई है। गौरतलब है कि सिद्धार्थ शंकर युवा कांग्रेसी होने के साथ-साथ जिले की राजनीति में अहम स्थान रखने वाले पूर्व विधायक शंकर प्रताप सिंह बुंदेला के बेटे हैं। सिद्धार्थ की इस सफलता को उनके पिता शंकर प्रताप की सियासी बिसात से जोड़कर देखा जा रहा है। इसलिए सिद्धार्थ के स्वागत की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं।

दैनिक जागरण भोपाल, 15 जून 2011

समापन अवसर पर बच्चों ने दिखाएं हुनर

पं.उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय में एक संगीत सभा का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के लगभग एक सैकड़ा बच्चों ने भाग लिया। एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन संगीत शिविर में बच्चों ने जो हुनर सीखा था इस संगीत सभा के माध्यम से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद के उपाध्यक्ष दीपक खरे उपस्थित हुए जबकि अध्यक्षता भारती किसान संघ के प्रांत मंत्री वीरेन्द्र सराफ ने की।

अंत्योदय समिति अध्यक्ष एवं जन अभियान परिषद के जिला सदस्य वेद प्रकाश चतुर्वेदी, मंडल उपाध्यक्ष गजेन्द्र जड़िया विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। रजनीश दीक्षित के अलावा पत्रकारगण,समाजसेवी एवं शैक्षिक स्टाफ उपस्थित रहा। मंच का संचालन एवं आभार शिवपूजन अवस्थी द्वारा जताया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

श्रमदान होगा आज

पं.उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय के बच्चे एवं स्टॉफ सराफ सागर तालाब में बुधवार को श्रमदान करेगा। सुबह छह बजे स्टॉफ एवं बच्चे तालाब पहुंचेंगे।

दर्शक दीर्घा में बैठे अतिथि गण -

राज एक्सप्रेस
भोपाल, मंगलवार, 17 मई 2011

विशेष शिविर में पेंटिंग करते बच्चे।

शिविर में सीखी रचनात्मकता

■ राज न्यूज़ नेटवर्क

छतरपुर। गर्मियों की छुट्टियों में पढ़ाई का टेंशन दूर होते ही बच्चे इन दिनों रचनात्मक कार्यों में भाग ले रहे हैं। गांधी स्मारक भवन में चल रहे विशेष शिविर में मासूम बच्चे चित्रकला, मूर्तिकला का प्रशिक्षण लेकर कलाकार बन रहे हैं।

ऋषिकुल आश्रम के तत्वावधान में इस शिविर में बच्चों को कला संगीत और योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संगीत की धुन और नृत्य की थिरकन में अनूठा तालमेल बनाकर बच्चे नृत्य और गायन की बारीकियां सीख रहे हैं। इसी तरह कागज पर पेंसिल और रंगों से मनमोहन आकृतियां उकेरते बच्चों को देखकर किसी सिद्धहस्त कलाकार का भ्रम हो जाता है।

नन्हे हाथों से आकर्षक तस्वीरें और मिट्टी की अनूठी मूर्तियां गढ़ी जा रही हैं। प्रशिक्षण के लिए बनारस और गाजियाबाद से विशेषज्ञ बुलाए गए हैं। इस शिविर में बच्चों का उत्साह और कुछ सीखने की जिज्ञासा का नजारा बेहद अनूठा है।

सनातन धर्म सेवा समिति ने कराया बच्चों को स्वल्पाहार

छतरपुर। कहा जाता है कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उन्हें जिस रूप में ढाला जाये उसी आकृति में ढल जाते हैं। ठीक इसी प्रकार का एक अनूठा प्रयास स्थानीय गांधी आश्रम में प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी ऋषिकुल आश्रम के तत्वाधान में योग, संगीत, कला शिविर में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें बच्चों की अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर पर मिल रहा है शिविर के दौरान सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया एवं बच्चों की कलाओं से प्रभावित हो उनका उत्साह वर्धन भी किया गया।

शिविर के मीडिया प्रभारी एवं समिति के अध्यक्ष पं. सौरभ तिवारी ने बताया कि गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में एक ही छत के नीचे कई प्रकार की विधाओं का जिसमें गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं नाटक कला का बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनारस, गाजियाबाद के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा हुनर की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा स्वल्पाहार कार्यक्रम में रामनिवास त्रिपाठी, शिवपूजन अवस्थी, रीतेश अरजरिया, मयंक शर्मा, सानू ताम्रकार, पवन ताम्रकार, बुलट सोनी, रिंकू द्विवेदी, अंशु अग्रवाल, गोविंद विश्वकर्मा, डिनी सोनी सहित समिति के गई सदस्य मौजूद रहें।

दैनिक भास्कर छतरपुर आस-पास सागर · शनिवार · 8 मई 2010

समर कैंप की धूम

1

2

3

4
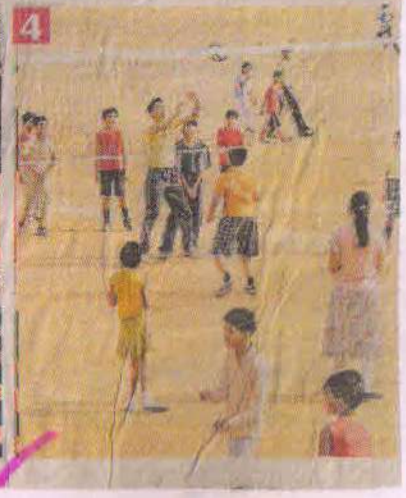

1 शहर के गांधी आश्रम में चल रहे समर कैंप के दौरान बच्चे उत्साह से तबला वादन का हुनर सीख रहे हैं।

2 स्टेडियम में चल रहे ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के दौरान बच्चे हॉकी सीखने अधिक रुचि दिखा रहे।

3 मेहंदी का कलात्मक हुनर सीखने के लिए बच्चियां गांधी आश्रम जाकर हर दिन कड़ी मेहनत कर रही हैं।

4 खेल विभाग की ओर से पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम में चलाए जा रहे समर कैंप में बच्चों को वालीबाल समेत सभी तरह की खेल विधाएं सिखाई जा रही हैं।

सागर · शनिवार · 22 मई 2010

बच्चे सीख रहे सृजनशीलता का गुण

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

गांधी आश्रम में चल रहे संगीत शिविर में बच्चे सृजनशीलता का गुण सीख रहे हैं। यहां कलाकार, जनप्रतिनिधि और समाज सेवी लोग पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

सृजनात्मक युवा भारत के योगेश सिन्हा ने बताया कि गांधी आश्रम में चल रहे शिविर में बच्चे तल्लीनता से कलाओं का हुनर सीख रहे हैं। इस शिविर में उपभोक्ता फोरम के जज अनिल वर्मा ने पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वहीं उन्होंने गांधी आश्रम के ऐतिहासिक महत्व को जानते हुए कहा कि शहर के भीतर इससे अच्छी ऐतिहासिक और प्राकृतिक जगह नहीं हो सकती। उन्होंने प्रशिक्षकों का भी उत्साहवर्धन किया। नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह भी शिविर में पहुंची। वे बच्चों के बीच काफी देर तक रहीं और उन्होंने बच्चों को सफल जीवन के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। शिक्षा, खेल, कला का जीवन में महत्व बताया।

इस शिविर में रामसनेही सक्सेना, डॉ. रामकुमार खरेन ने भी बच्चों को मार्गदर्शन दिया। शिविर के संचालन में संजय सिंह, दमयन्ती, रवि शुक्ला, संजय चौधरी,शिवपूजन अवस्थी, मनोज चौरसिया, मरगुब आलम विशेष सहयोग दे रहे हैं।

नईदुनिया बुंदेलखंड

ग्वालियर मंगलवार 4 मई 2010

कला की बारीकियां सीख रहे बच्चे

- गांधी आश्रम में चल रहा
- ग्रीष्मकालीन शिविर

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत के तत्वावधान में स्थानीय गांधी आश्रम में ग्रीष्मकालीन संगीत, कला एवं योग शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में स्कूली बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वह मंजे हुए कलाकारों से कला की बारीकियां सीख रहे हैं।

प्रतिदिन सुबह 6 से 10 बजे तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन शिविर में संगीत एवं कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ से आए कथक नृत्य के प्रशिक्षक पुष्पेंद्र जंघेल एवं रचना निशाद द्वारा बच्चों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चित्रकला का प्रशिक्षण रतन सिंह और गायन का प्रशिक्षण जगदेव दे रहे हैं। तबला वादन की बारीकियां शिवपूजन अवस्थी द्वारा सिखाई जा रही हैं। इसके अलावा मासूम बच्चे अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मूर्ति कला भी सीख रहे हैं। बच्चों को दिनेश शर्मा द्वारा मिट्टी से मूर्तियां बनाना सिखाया जा रहा है। शिविर में बच्चों को योग के लाभ बताने के लिए बालयोगी पंकज सोनी द्वारा योग का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा बच्चों को मेहंदी, अभिनय एवं सुगम संगीत का प्रारंभिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिविर के आयोजक योगेश सिन्हा स्वयं बच्चों को सुगम संगीत की शिक्षा दे रहे हैं। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 31 मई तक चलेगा। -नसंसे

तबला वादन की शिक्षा देते शिवपूजन अवस्थी।

फौलादी कलम छतरपुर, सोमवार ,03 मई,

ग्रीष्मकालीन कला शिवि में बच्चों ने लिया भाग

छतरपुर 2 मई (फौकससे)। गांधी आश्रम में सृजनात्मक युवा भा तत्वाधान में आयोजित ग्रीष्म कालीन संगीत कला एवं योग शिविर संख्या में भाग लेना प्रारंभ कर दिया है। शिविर में बच्चों को सुयोग्य द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस आयोजन में एशिया के प्रसिद्ध सं कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कत्थक नृत्य के प्रशिक्षण रचना पुलेन्द्र जंघेल और चित्रकला में रतन सिंह गायन में जगदेव नेताम प्रशि रहे हैं। तबले की थाप एवं गायन के सुमधुर बोल के साथ-साथ बच्चे कलाकृति भी बनाकर अपने हुनर को निखारने में लगे है। मूर्ति विशेषज्ञ दिनेश शर्मा योग्य विद्या में निपुण बालयोगी पंकज सोनी शिवपूजन अवस्थी नाटक में विनय गुप्ता मेंहदी, रंगोली में किरण शु सुगम संगीत में योगेश सिन्हा सहित कई कलाकार बच्चों को स सांस्कृतिक गतिविधियां सिखा रहे है। एक ही छत के नीचे इतनी सारी का राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के प्रशिक्षण से बच्चों की रचनात्मकता हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर के बुद्ध जीव लोग शिविर एवं आयोजन गतिविधियों की तारीफ कर आयोजन समिति के उत्सा कर रहे है। यह शिविर 31 मई से सुबह 6 बजे से 10 बजे तक गांध में आयोजित किया जा रहा है। 31 मई को विशेष कार्यक्रम के आ साथ बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेगें इस अतुलनीय संजय सिंह, योगेश सिन्हा, शिवपूजन अवस्थी, प्रभात तिवारी महाराष्ट्र से भारती जी सहित कई बुद्धजीवी मार्गदर्शन कर रहे है।

शिविर समापन पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

गांधी आश्रम में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन रविवार को नपा प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ होगा।

शिविर के मीडिया प्रभारी रामनिवास त्रिपाठी, सौरभ तिवारी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन 30 मई को नपा के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन होगा। शिविर में बच्चों की सृजन क्षमता को निखारा गया है। बच्चों को सामाजिक सांस्कृतिक एवं मानसिक विकास के लिए प्रोत्साहित किया गया है। बालयोगी पंकज सोनी ने योग, खैरागढ़ से आए रतन सिंह ने चित्रकला, जगदेव ने गायन, पोलेंद्र वर्मा और रचना निशाद ने कथक नृत्य, विनय गुप्त ने नाटक, शिवपूजन अवस्थी ने तबला वादन, योगेश सिन्हा ने संगीत, दिनेश शर्मा ने बच्चों को मूर्ति कला और किरण शुक्ला ने मेंहदी एवं रंगोली बनाना सिखाया है।

शिविर में सृजनात्मक, युवा भारत के मनोज चौरसिया, शिवपूजन अवस्थी, मरगूब आलम एवं मप्र गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह एवं रवि शुक्ला आदि का सहयोग मिल रहा है।

23/10/05 दै. भास्कर

तक धिना धिन...

शहर के गांधी आश्रम में चल रहे समर कैंप में बच्चे शास्त्रीय नृत्य की बारीकियां सीख रहे हैं।

छतरपुर। छोटे-छोटे बच्चे भी सीख रहे हैं चित्रकला व दूसरे चित्र में स्टेडियम में बेसबॉल का

दैनिक दि बैस्ट न्यूज   दिनाँक 03.05.10 दिन-

ग्रीष्मकालीन कला शिविर में बच्चों ने लिया भाग

छतरपुर दो मई (कार्या.)। गांधी आश्रम में सृजनात्मक युवा भारत के तत्वा...न में आयोजित ग्रीष्म कालीन संगीत कला एवं योग शिविर में भारी संख्या में भाग लेना प्रारंभ कर दिया है। शिविर में बच्चों को सुयोग्य शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी राम निवास त्रिपाठी एवं सौरभ तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस आयोजन में एशिया के प्रसिद्ध संगीत एवं कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कत्थक नृत्य के प्रशिक्षण रचना निशाद पुलेन्द्र जंघेल और चित्रकला में रतन सिंह गायन में जगदेव नेताम प्रशिक्षण दे रहे हैं। तबले की थाप एवं गायन के सुमधुर बोल के साथ-साथ बच्चे सुन्दर कलाकृति भी बनाकर अपने हुनर को निखारने में लगे है। मूर्तिकला के विशेषज्ञ दिनेश शर्मा योग्य विद्या में निपुण बालयोगी पंकज सोनी तबले में शिवपूजन अवस्थी नाटक में विनय गुप्ता मेंहदी, रंगोली में किरण शुक्ला एवं सुगम संगीत में या...सिन्हा सहित कई कलाकार बच्चों को सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियां सिखा रहे है। एक ही छत के नीचे इतनी सारी विद्याओं का राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के प्रशिक्षण से बच्चों की रचनात्मकता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर के बुद्ध जीव लोग शिविर संचालन एवं आयोजन गतिविधियों की तारीफ कर आयोजन समिति के उत्साह में वृद्धि कर रहे है। यह शिविर 31 मई से सुबह 6 बजे से 10 बजे तक गांधी आश्रम में आयोजित किया जा रहा है। 31 मई को विशेष कार्यक्रम के आयोजन के साथ बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेगें इस अतुलनीय शिविर में संजय सिंह, योगेश सिन्हा, शिवपूजन अवस्थी, प्रभात तिवारी एवं वरधा, महाराष्ट्र से भारती जी सहित कई बुद्धजीवी मार्गदर्शन कर रहे है।

मधुवन में राधिका...

गर्मी की छुटियों को छात्र-छात्राएं विभिन्न विधाएं सीखने में बिता रही है। शहर में कई स्थानों पर चल रहे शिविरों में छात्राएं शास्त्रीय नृत्य एवं गायन में भी पारंगत हो रही हैं।

छतरपुर, रविवार 09 मई 2010

नई दिशा देगा यह प्रयास-देवध...

छतरपुर। गांधी आश्रम ... चल रहे सृजनात्मक युवा भा... ग्रीष्मकालीन शिविर का अवलो... आकाशवाणी केन्द्र पूना के कार्य... अधिकारी सुनील केशव देवधर ... किया। इस मौके पर उन्होंने कहा ... आयोजन से जुड़े लोगों का यह प्रया... एक नई दिशा और आशा के प्र... आश्वस्त करता है।

शिविर के मीडिया प्रभा... रामनिवास त्रिपाठी एवं सौरभ तिवा... ने बताया कि पूर्व में आकाशवाणी के... छतरपुर में कार्यक्रम अधिकारी ... सुनील देवधर शनिवार की सुबह ... बजे गांधी आश्रम पहुंचे अ... ग्रीष्मकालीन शिविर का अवलो... किया। श्री देवधर ने शिविर में संग... चित्रकला, नाटक कत्थक, नृत्य मेंह... रंगोली, मूर्तिकला एवं खेल आदि सी... रहे बच्चों से चर्चा की। उन्होंने ब... को प्रशिक्षित कर रहे कलाकारों ... साधुवाद दिया। (...शेष पृष्ठ 4 पर

...राज की दुनिया

...लगा ...शिविर

...प्रशिक्षण बालयोगी ...तबला शिवपूजन ...विनय गुप्ता, मेंहदी ...शुक्ला एवं सुगम ...क्षण योगेश सिन्हा ...रहा है। शिविर में ...ले सभी बच्चों ... ...पन अवसर पर प्रमाण ...कए ... शिविर ... ...गेश सिंहा, शिवपूजन ...त तिवारी एवं वर्षा ...भारती सहित अनेक ...र्गदर्शन दे रहे हैं।

ग्वालियर मंगलवार 4 मई 2010

नईदुनिया बुंदेलखंड

कला की बारीकियां सीख रहे बच्चे

- गांधी आश्रम में चल रहा
- ग्रीष्मकालीन शिविर

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत के तत्वावधान में स्थानीय गांधी आश्रम में ग्रीष्मकालीन संगीत, कला एवं योग शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में स्कूली बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वह मंजे हुए कलाकारों से कला की बारीकियां सीख रहे हैं।

प्रतिदिन सुबह 6 से 10 बजे तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन शिविर में संगीत एवं कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ से आए कथक नृत्य के प्रशिक्षक पुष्पेंद्र जंघेल एवं रचना निशाद द्वारा बच्चों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चित्रकला का प्रशिक्षण रतन सिंह और गायन का प्रशिक्षण जगदेव दे रहे हैं। तबला वादन की बारीकियां शिवपूजन अवस्थी द्वारा सिखाई जा रही हैं। इसके अलावा मासूम बच्चे अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मूर्ति कला भी सीख रहे हैं। बच्चों को दिनेश शर्मा द्वारा मिट्टी से मूर्तियां बनाना सिखाया जा रहा है। शिविर में बच्चों को योग के लाभ बताने के लिए बालयोगी

तबला वादन की शिक्षा देते शिवपूजन अवस्थी।

पंकज सोनी द्वारा योग का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा बच्चों को मेहंदी, अभिनय एवं सुगम संगीत का प्रारंभिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिविर के आयोजक योगेश सिन्हा स्वयं बच्चों को सुगम संगीत की शिक्षा दे रहे हैं। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 31 मई तक चलेगा। -नप्रसे

नईदुनिया बुंदेलखंड

विभिन्न विधाएं सीख रहे बच्चे

• गांधी आश्रम में कला-संगीत शिविर का आयोजन

नृत्य का अभ्यास करतीं बालिकाएं।

छतरपुर। सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए वर्तमान समय की जटिल परिस्थितियों में पर्याप्त मौका नहीं मिलता। बच्चे अपनी उम्र में अभिव्यक्ति के लिए अलग-अलग आयाम ग्रीष्मकालीन कला शिविर में तय कर रहे हैं। एक ही छत के नीचे गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में बच्चे अपने हुनर तथा विविधता से शिविर को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।

शिविर के मीडिया प्रभारी रामनिवास त्रिपाठी एवं सौरभ तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया कि शाश्वत विकास समिति एवं ऋषिकुल आश्रम के तत्वावधान में आयोजित सृजनात्मक युवा भारत ग्रीष्मकालीन शिविर में लगभग दो सौ बच्चे योग, संगीत, कला एवं नाट्य की कई विधाओं में पारंगत हो रहे हैं। गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह ने कहा कि सृजनात्मकता एक गुण तथा कला है। इसके लिए बेहतर रचनात्मक माहौल देने की जिम्मेदारी हम सबकी है। बच्चे स्पर्धा की जगह सहयोग की भावना विकसित करते हैं। जो समाज में शांति, सद्भावना की स्थापना करते हैं। इस दिशा में यह शिविर प्रयासरत है, जो सराहनीय है। पिछले दिनों शिविर में शहर के बुद्धिजीवी एवं समाजसेवी लोगों ने निरीक्षण किया, जिसमें डॉ. वीणा विगत, डॉ. संदीप खरे, खेल अधिकारी प्रदीप अविद्रा, शंकर रैकवार, बृजगोपाल तिवारी, एसडीओ एस.आर. वर्मा शामिल थे। -नसंसे

ग्वालियर शुक्रवार 14 मई 2010

भोपाल 15. मई 2010

बुंदेलखंड जागरण

छतरपुर। गांधी आश्रम में गर्मियों की छुट्टी का उपयोग कर बच्चे सीख रहे नृत्य।

कथक की मुरीद हुई विदेशी बाला

फ्रांस से भारत जैविक खेती को जानने आई विदेशी युवती को कथक नृत्य भाया

नीरज सोनी | छतरपुर

एक सप्ताह पहले फ्रांस से भारत में जैविक खेती के गुर सीखने आई एक विदेशी बाला कथक नृत्य से इस कदर प्रभावित हुई कि वे अपने फ्यूचर प्लान छोड़कर कथक सीखने में जुट गई हैं। इन दिनों गांधी आश्रम में वे पूरी तन्मयता से कथक का रियाज करने में लगी हैं।

फ्रांस के टियूणो शहर के एक अस्पताल में पेशे से नर्स मैरिएंस एक सप्ताह पहले ही भारत में जैविक खेती का तरीका सीखने के लिए आई थीं। उन्होंने एक वेबसाइट पर छतरपुर के गांधी आश्रम में चलने वाले जैविक खेती प्रकल्प की जानकारी ली और मंगलवार को वे यहां आ गईं। गांधी आश्रम में चल रहे समर कैंप के प्रतिभागी बच्चों को कथक सीखते देख मैरिएंस की इच्छा भी कथक सीखने की हुई। उन्होंने जैविक खेती का काम बीच में ही छोड़कर कथक का हुनर सीखने की ठान ली। हालांकि कथक के रियाज के बाद शेष बचने वाले समय में वे गांधी आश्रम परिसर में जैविक खाद बनाने और खेतों को तैयार करने में पसीना बहाती हैं।

सीखने की ललक बेमिसाल

वे अपनी कथक गुरू खैरागढ से आई रचना निशाद से कथक के स्टेप सीख रही हैं। रचना बताती हैं कि हर सुबह और शाम के समय मैरिएंस अपने पैर में घुंघरू बांधकर उनके पास आ जाती है और तब तक रियाज करती है, जब तक कि वह थककर चूर नहीं हो जाती है। रचना के अनुसार मैरिएंस की तरह शिद्दत किसी और प्रशिक्षार्थी में उन्हें देखने नहीं मिली। मैरिएंस ने बताया कि वह भारत में जैविक खेती की हुनर इसलिए सीखने आईं थी, ताकि अपने घर के गार्डन में जैविक तरीके के फार्मिंग कर सके, लेकिन यहां आकर उसे एक जिंदादिल कला का हुनर सीखने मिल रहा है। इसलिए वे ऐसे मौके को गवाना नहीं चाहती है। मैरिएंस ने बताया कि वे अपने वीजा की डेट बढ़वाने का प्रयास कर रही हैं।

दैनिक भास्कर - 7/6/2010

छोटे बच्चे सीख रहे बड़ा हुनर

ग्वालियर रविवार 9 मई 2010

■ गांधी आश्रम में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर में सिखाई जा रही हैं कई विधाएं

छतरपुर। ग्रीष्म अवकाश की अवधि में बच्चों के अंदर सृजन प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से गांधी आश्रम में सृजनात्मक युवा भारत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गत वर्ष के भांति इस बार भी यह शिविर एक माह तक चलेगा। शिविर में स्कूली बच्चों को विशेषज्ञों द्वारा चित्रकला, मूर्तिकला, गायन, वादन, नृत्य एवं अभिनय की शिक्षा दी जा रही है।

बीती 1 मई से शुरू हुए सृजनात्मक युवा भारत शिविर में प्रतिदिन सुबह छ: से दस बजे तक दो सौ से अधिक बच्चे कला की बारीकियां सीख रहे हैं। आयोजन समिति के मनोज चौरसिया एवं योगेश सिन्हा ने बताया कि शिविर में बच्चों को विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण देने के लिए दक्ष कलाकारों को बुलाया गया है। बच्चों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण खैरागढ़ के कलाकार पोलेंद्र वर्मा एवं रचना निषाद द्वारा दिया जा रहा है। सौ से अधिक बच्चे इन कलाकारों से कथक की बारीकियां सीख रहे हैं। इसके अलावा खैरागढ़ के ही शिवेंद्र कुमार गुप्ता बच्चों को चित्रकला की शिक्षा दे रहे हैं। प्रतिदिन वह चित्रकला सीखने के इच्छुक छोटे-छोटे बच्चों से घिरे रहते हैं। शिविर के आयोजक एवं गायक योगेश सिन्हा स्वयं बच्चों को गायन की शिक्षा दे रहे हैं। आयोजन समिति के शिवपूजन अवस्थी बच्चों को तबला वादन का प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा दिनेश शर्मा मूर्तिकला, अजमत अली अभिनय और पंकज सोनी योग का प्रशिक्षण बच्चों को प्रदान कर रहे हैं। आयोजन समिति के सदस्य मनोज चौरसिया ने बताया कि शिविर में हिस्सा लेने वाले बच्चों को समिति की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। 31 मई के बाद शिविर में हिस्सा लेने वाले बच्चों की मंच पर प्रस्तुतियां होंगी। -नसं

छतरपुर। गांधी आश्रम में मूर्तिकला का प्रशिक्षण लेते बच्चे।

छतरपुर। छोटे-छोटे बच्चे भी सीख रहे हैं चित्रकला व दूसरे चित्र में स्टेडियम में बेसबॉल का अभ्यास करते बच्चे।

■ छतरपुर ■ टीक

सिटी express

राज एक्सप्रेस

शनिवार,

बिजली खड़ी यह

छतरपुर। शहर के गांधी स्मारक भवन में बच्चों को चित्रकला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें बच्चे चित्रकला की बारीकियां सीख रहे हैं।

दैनिक भास्कर टीकमगढ़ आसपास सागर · मंगलवार · 4 मई 2010

ग्रीष्म शिविर में बच्चे सीख रहे हैं खेल, कला और संस्कृति के हुनर

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

जिले भर में बच्चों को खेल, कला और संस्कृति के हुनर सिखाए जा रहे हैं। गांधी आश्रम में कला में महारत प्राप्त शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को निखार रहे हैं। वहीं बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम सहित विभिन्न खेल मैदानों पर बच्चों को खेल सिखाए जा रहे हैं। महाराजपुर में नेहरू युवा केंद्र द्वारा ग्रामीण बच्चों को खेल तथा संस्कृति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खैरागढ़ के संगीतज्ञ दे रहे ट्रेनिंग

गांधी आश्रम में सृजनात्मक युवा भारत द्वारा संगीत, कला तथा योग का शिविर संचालित किया जा रहा है। इस शिविर में खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रचना निषाद, पुलेंद्र जंवेल,कत्थक, चित्रकला, रतन सिंह, गायन में जगदेव नेताम बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिनेश शर्मा तथा योग का प्रशिक्षण बालयोगी पंकज मोनी द्वारा दिया जा रहा है। शिवपूजन अवस्थी तबला, विनय गुप्ता नाटक, किरण शुक्ला मेंहदी तथा सुगम संगीत योगेश सिंहा द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नव भारत
2 भोपाल, शुक्रवार, 14 मई 20

नौनिहालों को मिल रही गांधी आश्रम में संगीत शिक्षा

छतरपुर. 13 मई. संवाददाता. पिछले दो सप्ताह से गांधी आश्रम में नौनिहालों को संगीत में शिक्षा दी जा रही है. संगीत शिविर में हर दिन बच्चों की संख्या बढ़ रही है.

शिविर के मीडिया प्रभारी रामनिवास त्रिपाठी ने बताया कि शाश्वत विकास समिति एवं ऋषिकुल आश्रम के तत्वावधान में आयोजित सृजनात्मक युवा भारत, ग्रीष्मकालीन शिविर में लगभग 200 बच्चे योग संगीत, कला एवं नाट्य की कई विधाओं पर प्रशिक्षण ले रहे हैं. गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह ने कहा है कि सृजनात्मकता एक गुण तथा कला है जिसके लिए वे हर तरह से रचनात्मक माहौल देने के लिए जिम्मेदारी निभा रहे हैं और ऐसा करना हम सबके लिए भी जरूरी होना चाहिए. बच्चों में स्पर्धा की जगह सहयोग की भावना विकसित होती है जो समाज में शांति, सद्भावना की स्थापना करते है. इस दिशा में यह शिविर प्रयासरत है. पिछले दिनों शिविर का शहर के बुद्धिजीवी एवं समाजसेवियों ने निरीक्षण किया था. देखा गया कि गांधी स्मारक में सुबह पांच बजे से बच्चों का आना प्रारंभ हो जाता है. उछलकूद करते हुए इन बच्चों को केनवास पर चित्र उतारने का सफल प्रशिक्षण दिया जा रहा है. बच्चों ने बताया कि शिविर में उन्हें बहुत सी जानकारी मिल रही हैं.

ग्रीष्मकालीन कला शिविर का समापन 30 मई को

छतरपुर। गांधी आश्रम में चल रहे ग्रीष्मकालीन कला शिविर का समापन आगामी 30 मई को नगर पालिका प्रांगण में भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगा।

शिविर के मीडिया प्रभारी रामनिवास त्रिपाठी एवं सौरभ तिवारी ने बताया कि विगत 1 मई से प्रारंभ हुआ ग्रीष्मकालीन योग, संगीत, कला एवं नाट्य शिविर में बच्चों की सृजन क्षमता को निखारने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानसिक विकास हेतु प्रोत्साहित किया गया। एक माह के शिविर में बच्चों ने योग, चित्रकला, मूर्तिकला, गायन, वादन, कत्थक नृत्य, नाटक आदि विधाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस शिविर में शहर के कई गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं ने आकर बच्चों का हौसला बढ़ाकर उनका मार्गदर्शन किया। बालयोगी पंकज सोनी ने जहां बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया वहीं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से आए रतन सिंह ने चित्रकला, जगदेव ने गायन, पोलेंद्र वर्मा और रचना निशाद ने कत्थक नृत्य तथा स्थानीय योग्य एवं अनुभवी प्रशिक्षकों में विनय गुप्त ने नाटक का, तबले का प्रशिक्षण शिवपूजन अवस्थी ने, योगेश सिंहा ने सुगम संगीत, मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिनेश शर्मा ने और मेंहदी एवं रंगोली का प्रशिक्षण किरण शुक्ला ने दिया। इन कलाकारों ने अपने अनुभव एवं हुनर के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को निखारने का प्रयास किया। सृजनात्मक युवा भारत के इस एक माह तक चले शिविर का समापन 30 मई को नगर पालिका प्रांगण में शाम 6 बजे से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगा। जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आज एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष क्षितिज शुक्ला एवं उनके सहयोगियों द्वारा शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर बच्चों को फल वितरित किए गए एवं नेहरूजी के बच्चों के प्रति प्रेम पर प्रकाश डाला गया। शिविर में सृजनात्मक युवा भारत के मनोज चौरसिया, शिवपूजन अवस्थी, मरगूब आलम एवं मध्य प्रदेश गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह एवं रवि शुक्ला एवं शहर के सभी पत्रकारों का मार्गदर्शन एवं सहयोग बच्चों को प्रतिदिन मिल रहा है।

दैनिक राज की दुनिया, छतरपुर

शुक्रवार, 28 मई 2010

स्टार समाचार 15
छतरपुर, बुधवार 25 मई 2011
दैनिक शुभ भारत

शिविर में पहुंचकर कराया स्वल्पाहार

हिंदु उत्सव समिति ने नन्हें बच्चों का किया उत्साहवर्धन

[illegible] गांधी आश्रम में गत एक मई से कला,योग संगीत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से बच्चों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोडने का कार्य किया जा रहा है। नगर के समाजसेवी बच्चों का उत्साहवर्धन करने शिविर में पहुंच रहे हैं। हिंदु उत्सव समिति की नारीशक्ति द्वारा मंगलवार को बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें स्वल्पाहार कराया गया।

हिंदु उत्सव समिति के

-शेष पृष्ठ चार पर

स्टार समाचार
सतना, रविवार
15 मई 2011

प्रशिक्षण गांधी आश्रम में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर में तबला वादन सीखते बच्चे।

छतरपुर, शुक्रवार 20 मई 2011

संगीत में समाहित होती है, संस्कृति

संगीत में नियमित रियाज जरूरी- आकांक्षा तिवारी

छतरपुर 19 मई। पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महा विद्यालय लवकुशनगर लौड़ी में चलाये जा रहे निःशुल्क संगीत कला शिविर में बनारस से आई आकांक्षा तिवारी एवं शालिनी सिंह ने लवकुशनगर पहुंचकर संगीत के अनुभव बांटे।

ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा लवकुशनर में चलाई जा रहे संगीत कला शिविर में 80 बच्चे भाग ले रहे हैं। जिसमें शहर की प्रतिभाओं का गायन, वादन, पेंन्टिंग, मेंहदी, रंगोली को निःशुल्क शिक्षा पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय में दी जा रही है। शिविर संयोजन प्रभारी मातादीन विश्वकर्मा ने बताया कि यह शिविर पहले 15 दिवसीय रखा गया था। लेकिन शहर के बच्चों के आग्रह पर इसको 15 दिवस के लिये और बढ़ा दिया गया है श्री विश्वकर्मा ने बताया कि इस शिविर में नियमित प्रशिक्षण गायन, वादन, मेंहदी, पेंटिंग, जयप्रकाश चौबे मेंहदी रंगोली अभिलाषा बरानिया दे रही है। समय-समय पर शिवपूजन अवस्थी के सहयोग से बाहर से कलाकारों को भी बुलाया गया। जबलपुर से डॉ. प्रकाश तिवारी ग्वालियर से संतोष सुरूमकर बनारस से आकांक्षा तिवारी गाजियाबाद से शालिनी सिंह, सुन्दरम त्रिपाठी, आदर्श तिवारी ने मार्गदर्शन दिया। इस बीच लवकुशनगर के तहसीलदार श्री नेहरा ने शिविर का अवलोकन करसंगीत कला के प्रचार-प्रसार के लिये शिवपूजन अवस्थी को ऐसे आयोजन करते रहने के लिये प्रोत्साहित कर समापन समारोह पूर्वक करनेकी बात कही। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष वीरेन्द्र सर्राफ, प्रान्त मंत्री भारतीय किसान संघ, विकास गंगेले श्रीदत्त रिछारिया, सौरभ तिरी सहित शहर के अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

बेटियों के प्रति जगाए सम्मान

कलेक्टर ने यूजीसी के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के पुरुस्कार बांटे

छतरपुर, 23 अक्टूबर कार्या. । राज्य शासन ने महिलाओं की घटती संख्या को संतुलित रखने तथा लोगों के मन में बेटियों के प्रति सम्मान जगाने के लिए 'बेटी बचाओ अभियान' की शुरूआत की है। जिससे समाज में ऐसा वातावरण तैयार किया जाए जिससे कन्याओं की घटती संख्या के रोका जाए। उक्त उद्‌गार कलेक्टर राहुल जैन ने महाराजा कॉलेज में पुरस्कार वितरण के दौरान व्यक्त किए।

कॉलेज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित 'समान अवसर केंद्र' द्वारा शासन की बेटी बचाओ अभियान नीति के तहत् निबंध लेखन तथा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसके पुरस्कार शुक्रवार को कॉलेज के सरस्वती सभागार में वितरित किए गए। इसी अवसर पर 'राष्ट्रीय विकास में युवाओं की भूमिका' पर चार दिवसीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का समापन भी किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर राहुल जैन एवं प्राचार्य डॉ.जीपी राजौरे ने सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित्र किया। तदुपरान्त संगीत विभाग की छात्रा वीणा विश्वकर्मा द्वारा सरस्वती वंदना डॉ. सरोज खरे के निदशन में एवं शिवपूजन अवस्थ की संगत में प्रस्तुत की। इसी समय एक गीत 'दो कुल की शान बेटियां होती हैं, हर माता-पिता की जान बेटियां होती हैं' प्रस्तुत किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता की प्रभारी डॉ. गायत्री बाजपेई ने बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए उनके सांस्कृतिक इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रदेश शासन की उन योजनाओं का भी वर्णन किया जो बेटियों द्वारा संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर छात्रों व प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जैन ने महाविद्यालय द्वारा किए गए प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। तत्पश्चात् निबंध प्रतियोगिता के विजेता क्रमशः सुरेश कुमार नामदेव, दिव्या गुप्ता तथा दीपिका अरजरिया को प्रमाण-पत्र तथा प्रतीक चिंह भेंट किया। चित्रकला प्रतियोगिता की विजेता हर्षिता अग्रवाल, कल्याण सिंह तथा अनिल रैकवार को प्रतीक चिन्ह दिए। छह अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के 10 प्रतिभागियों को कलेक्टर ने प्रमाण पत्र व पुस्तकें भेंट कीं। प्राचार्य डॉ. राजौरे ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. बहादुर सिंह परमार ने किया।

सतना, मंगलवार, 31 मई 2011

बच्चों के नृत्य ने मोह लिया बड़ों का मन

स्टार समाचार » छतरपुर

■ रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संगीत कला शिविर का हुआ समापन

स्थानीय गांधी आश्रम में विगत एक माह से चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का समापन रविवार शाम नगरपालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वावधान में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत शिविर में शहर के बच्चों ने योग गायन, वादन, नृत्यकला, चित्रकला, मेंहदी, रंगोली, नाटक आदि विधाओं का प्रशिक्षण बाहर से आए श्रेष्ठ कलाकारों ने एक मई से 30 मई तक गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में दिया जिसमें समय समय पर शहर के अनेकों अधिकारियों समाजसेवी संस्थाओं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर आवश्यक सुझाव भी दिए। उक्त कार्यक्रम का समापन समारोह रविवार शाम 7 बजे से नगरपालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. कृष्ण गांधी कानपुर, डॉ. सुनंदा कीर्तन कानपुर, आरएसएस विभाग संघ चालक राजेन्द्र चतुर्वेदी, गांधी आश्रम के दुर्गा प्रसाद आर्य, प्रदीप खरे मंटू, दुर्गेश खरे, महर्षि विद्यालय मंदिर के प्राचार्य चंद्रकांत शर्मा एवं ओपी शर्मा के आतिथ्य में हुए समारोह में सबसे पहले दीप प्रज्जवलन कर स्वागत गीत बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं गांधी आश्रम के संजय सिंह द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात योग प्रशिक्षक पंकज सोनी के मार्गदर्शन में योग क्रिया को बच्चों ने मंच पर प्रस्तुत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तारतम्य में प्रशिक्षक शालिनी सिंह गाजियाबाद के निर्देशन में बच्चों ने कथक नृत्य, आकांक्षा तिवारी बनारस के निर्देशन में गीतों की प्रस्तुति एवं शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम त्रिपाठी, आदर्श तिवारी बनारस के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों ने तबले की प्रस्तुति देकर मैदान में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया इसके साथ ही कार्यक्रम में बुंदेली नृत्य का मंचन बिंदु दीक्षित के निर्देशन में किया गया। इसके साथ ही मंच के बगल में प्रशिक्षक सबिता राजपूत, गीता सोनी, शालिनी चौरसिया के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसको लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन अश्विनी दुबे ने किया एवं समापन धर्मसेवा समिति द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को बखूबी संभाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण व्ही केवल नेटवर्क के माध्यम से पूरे शहर में किया गया। अंत में शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने शहर के सभी समाज सेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारो के सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया।

विंध्य–शक्ति छतरपुर
मंगलवार, 31 मई 2011

युवा भारत योग संगीत कला शिविर सम्पन्न

छतरपुर। पिछले एक माह से स्थानीय गांधी आश्रम में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों के साथ समापन हो गया। ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत शिविर में शहर के बच्चों ने योग, गायन, वादन, नृत्यकला, चित्रकला, मेंहदी, रंगोली, नाटक आदि विधाओं का प्रशिक्षण बाहर से आए शेष कलाकारों से प्राप्त किया। एक माह तक चले इस शिविर में प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने गांधी आश्रम में पहुँचकर अपने सुझाव दिए। समापन अवसर पर डॉ. कृष्ण गांधी कानपुर, डॉ. सुनंदा कीर्तन कानपुर, आर.एस.एस. के विभाग संचालक राजेन्द्र चतुर्वेदी, दुर्गा प्रसाद आर्य, प्रदीप खरे, दुर्गेश खरे, महर्षि स्कूल के प्राचार्य, चंद्रकांत शर्मा उपस्थित रहे। स्वागत गीत बच्चों ने पेश किया। कार्यक्रम का प्रतिवेदन संजय सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके बाद बच्चों ने योग प्रशिक्षक के मार्ग दर्शन में उपस्थित लोगों को योग क्रियायें दिखाई। समापन कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रशिक्षक शालनी सिंह गाजियाबाद के निर्देशन में बच्चों ने कत्थक नृत्य, आंकक्षा तिवारी बनारस के नेतृत्व में गीतों की प्रस्तुति, शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम् त्रिपाठी, आदर्श तिवारी बनारस के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों ने तबले की प्रस्तुति दी। बुंदेली नृत्य का मंचन बिन्दू दीक्षित के निर्देशन में किया गया। मंच के बगल में प्रशिक्षक सरिता राजपूत, गीता सोनी, शालनी चौरसिया के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालक अश्वनी दुबे ने किया।

दैनिक बुन्देली मंच

छतरपुर, मंगलवार 17 मई 2011

सुर से सुर मिला रहे बच्चे, रंग ला रहा संगीत कला शिविर

छतरपुर, 16 मई कार्या. /इसमें कोई दो राय नहीं कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उन्हें जिस रूप में ढाला जाए उसी आकृति में ढल जाते हैं। गांधी आश्रम में बच्चों को एक नए आकार में ढालने का कार्य एक मई से अनवरत शुरू है। एक माह तक संगीत कला शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर के बारे में जानकारी देते हुए सौरभ तिवारी ने बताया कि एक ही छत के नीचे विभिन्न विधाओं से बच्चों को परिचित कराया जा रहा है। गायन,वादन,नृत्य,चित्रकला, मूर्तिकला एवं नाटककला का प्रशिक्षण जाने-माने प्रशिक्षकों से बच्चों को दिलाया जा रहा है। सोमवार को सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा शिविर में पहुंचकर बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें स्वल्पाहार कराया गया।

छतरपुर, मंगलवार 17 मई 2011

दैनिक छतरपुर भ्रमण

रंग ला रहा संगीत कला शिविर

सनातन धर्म सेवा समिति ने कराया बच्चों को स्पल्पाहार

छतरपुर 18 मई। कहा जाता है कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उन्हें जिस रूप में ढाला जाये उसी आकृति में ढल जाते हैं। ठीक इसी प्रकार काएक अनूठा प्रयास स्थानीय गांधी आश्रम में प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी ऋषिकुल आश्रम के तत्वाधान में योग, संगीत कला शिविर में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें बच्चों की अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल रहा है। शिविर के दौरान सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया एवं बच्चों की कलाओं से.प्रभावित हो उनका उत्साह वर्धन भी किया गया।

शिविर के मीडिया प्रभारी एवं समिति के अध्यक्ष पं. सौरभ तिवारी ने बताया कि गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में एक ही छत के नीचे कई प्रकार की विधाओं का जिसमें, गाय्रन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं नाटक कला का बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनारस, गाजियाबाद के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा हुनर की बारीकियां सिखाई जा रही है। सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा स्वल्पाहार काय्रक्रम में रामनिवास त्रिपाठी, शिवपूजन अवस्थी, रीतेश अरजरिया, मंयक शर्मा, सानू ताम्रकार, पवन ताम्रकार, बुलट सोनी, रिंकू द्विवेदी, अंशु अग्रवाल गोविन्द विश्वकर्मा, डिनी सोनी सहित समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

छतरपुर, मंगलवार 24 मई 2011

राज की दुनिया

बच्चों ने सीखा हुनर

छतरपुर। पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय लौंड़ी के 18 बच्चों ने गांधी आश्रम छतरपुर में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। बच्चों ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. एसएन सुब्बाराव से मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा कलेक्टर ने शिविर में पहुंचकर बच्चों से बातचीत की। जिला पंचायत सीईओ द्वारा शिविर में आये सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पारितोषिक देकर विदाई दी गई। बच्चों ने शालिनी सिंह द्वारा कत्थक की बारीकियां एवं आकांक्षा तिवारी द्वारा गायन के गुर सीखे। बच्चों ने योग, पेन्टिंग, खेल, मेंहदी, रंगोली आदि का भी प्रशिक्षण लिया।

सतना, मंगलवार, 24 मई 2011

स्टार नेटवर्क छतरपुर

शिविर में बच्चों को सिखाए संगीत के गुर

स्टार समाचार » लवकुशनगर

पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय लवकुश नगर के 18 बच्चों ने गांधी आश्रम छतरपुर में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें बच्चों ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉ. एसएन सुब्बा राव से मार्गदर्शन प्राप्त किया वहीं कलेक्टर ने शिविर में पहुंचकर बच्चों से बातचीत की तथा जिला पंचायत सीईओ भावना वालिम्बे द्वारा शिविर में आए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पारितोषिक देकर विदाई दी गई।

पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय के अध्यक्ष वीरेन्द्र सर्राफ ने बताया कि नगर से योग संगीत कला के प्रशिक्षण हेतु 18 बच्चों को गांधी आश्रम छतरपुर भेजा गया था जहां पर बच्चों ने डॉ. सुब्बा राव से मार्गदर्शन प्राप्त किया वहीं गाजियाबाद से आई शालिनी सिंह द्वारा कत्थक की बारीकियां एवं आकांक्षा तिवारी द्वारा गायन के गुर सीखे। साथ ही नगर के बच्चों ने योग, पेंटिंग, खेल, मेंहदी, रंगोली आदि का भी प्रशिक्षण लिया जिससे बच्चों ने नगर वापिसी पर काफी उत्साह देखने को मिला। श्री सर्राफ ने बताया कि शिविर के दौरान लवकुश नगर के बच्चों को गांधी आश्रम के संयुक्त सचिव संजय सिंह द्वारा निःशुल्क रहने व भोजन की व्यवस्था की गई तथा शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी द्वारा बच्चों के निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई जो सराहनीय रही तथा देवेश सोनी द्वारा बच्चों को योग गुरु रामदेव बाबा द्वारा सिखाए जाने वाले योग कैलेण्डर भेंट किए गए।

स्टार समाचार 15

सतना, शनिवार, 21 मई 2011

संगीत में समाहित होती है संस्कृति

स्टार समाचार » छतरपुर

पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय लवकुशनगर में चलाए जा रहे निःशुल्क संगीत कला शिविर में बनारस से आईं आकांक्षा तिवारी एवं शालिनी सिंह ने लवकुशनगर पहुंचकर संगीत के अनुभव बांटे। ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा लवकुशनगर में चलाए जा रहे संगीत कला शिविर में 80 बच्चे भाग ले रहे हैं जिसमें शहर की प्रतिभाओं का गायन, वादन, पेंटिंग, मेंहदी, रंगोली को निःशुल्क शिक्षा पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय में दी जा रही है। शिविर संयोजन प्रभारी मातादीन विश्वकर्मा ने बताया कि यह शिविर पहले 15 दिवसीय रखा गया था लेकिन शहर के बच्चों के आग्रह पर इसको 15 दिवस के लिए और बढ़ा दिया गया है।

श्री विश्वकर्मा ने बताया कि इस शिविर में नियमित प्रशिक्षण गायन, वादन, सचीदू महतों, पेन्टिंग, जयप्रकाश चौबे मेंहदी, रंगोली अभिलाषा बरानिया दे रहीं हैं।

समय-समय पर शिवपूजन अवस्थी के सहयोग से बाहर से कलाकारों को भी बुलाया गया। जबलपुर से डॉ. प्रकाश तिवारी ग्वालियर से संतोष मुरुमकर बनारस से आकांक्षा तिवारी गाजियाबाद से शालिनी सिंह, सुंदरम त्रिपाठी, आदर्श तिवारी ने मार्गदर्शन दिया।इस बीच लवकुशनगर के तहसीलदार श्री नेहरा ने शिविर का अवलोकन कर संगीत कला के प्रचार प्रसार के लिए शिवपूजन अवस्थी को ऐसे आयोजन करते रहने के लिए प्रोत्साहित कर समापन समारोहपूर्वक करने की बात कही। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष वीरेन्द्र सर्राफ, प्रांत मंत्री भारतीय किसान संघ, विकास गंगेल, श्रीदत्त रिछारिया, सौरभ तिवारी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कृष्ण क्रान्ति

छतरपुर, रविवार, 29 मई 2011

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होगा संगीत कला शिविर का समापन

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत द्वारा स्थानीय गांधी आश्रम में चलाये जा रहे योग संगीत कला शिविर का समापन समारोह नगर पालिका प्रांगण में आज शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न होगा।

शिविर में मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि विगत 1 माह से स्थानीय गांधी आश्रम में शहर के बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जिनमें गायन, वादन, नृत्य, मेंहदी, रंगोली, योग, चित्रकला शामिल है। बच्चों के सृजनात्मक विकास हेतु ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में आयोजित शिविर के समापन अवसर पर एक माह तक प्रशिक्षण में भाग लेने वाले बच्चों की प्रस्तुतियां होंगी। जिसमें गायन, वादन, नृत्य, नाटक के साथ साथ पेंटिंग की प्रदर्शनील भी लगाई जायेगी। इसके साथ ही बाहर से आये हुये कलाकारों की भी प्रस्तुतियां होंगी। नगर पालिका प्रांगण में आज शाम 7 बजे से होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं इसके साथ ही कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर बच्चों में खूब उत्साह है शहर के बच्चों को इस तरह का मंच प्रदान कर बच्चों के आत्मविश्वास को बढाने के लिये सृजनशीलता का एक अवसर होगा। इस अवसर पर नगर के अधिकारीगण, जनसेवक, संगीतकार, समाज सेवी आदि लोग उपस्थित रहेंगे। शिविर के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने नगर के सभी गणमान्य नागरिकों से नगर पालिका प्रांगण में रविवार शाम 7 बजे होने वाले समापन समारोह के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

दैनिक शुभ भारत

छतरपुर, मंगलवार 17 मई 2011

सनातन धर्म सेवा समिति ने कराया बच्चों को स्वल्पाहार

छतरपुर। कहा जाता है कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उन्हें जिस रूप में ढाला जाये उसी आकृति में ढल जाते हैं। ठीक इसी प्रकार का एक अनूठा प्रयास स्थानीय गांधी आश्रम में प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी ऋषिकुल आश्रम के तत्वाधान में योग, संगीत कला शिविर में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें बच्चियों की अपनीप्रतिभा को निखारने का अवसर मिल रहा है। शिविर के दौरान सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार करायागया एवं बच्चों की कलाओं से प्रभावित हो उनका उत्साह वर्धन भी किया गया।

शिविर के मीडिया प्रभारी एवं समिति के अध्यक्ष पं. सौरभ तिवारी ने बताया कि गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में एक ही छत के नीचे कई प्रकार की विधाओं का जिसमें, गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं नाटक कला का बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनारस, गाजियाबाद के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा हुनर की बारीकियां सिखाई जा रही है। सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा स्वल्पाहार कार्यक्रम में रामनिवास त्रिपाठी, शिवपूजन अवस्थी, रीतेश अरजरिया, मंयक शर्मा, सानू ताम्रकार, पवन ताम्रकार, बुलट सोनी, रिंकू द्विवेदी, अंशु अग्रवाल गोविन्द विश्वकर्मा, डिनी सोनी सहित समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

दैनिक हम पाँच : मंगलवार, 31 मई 2011

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ संगीत कला शिविर का समापन

छतरपुर। स्थानीय गांधी आश्रम में विगत एक माह से चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का समापन रविवार शाम नगर पालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर के मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत शिविर में शहर के बच्चों ने योग गायन, वादन, नृत्य कला चित्रकला, मेंहदी रंगौली, नाटक आदि विधाओं का प्रशिक्षण बाहर से आये हुये श्रेष्ठ कलाकारों ने 1 मई से 30 मई तक गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में दिया जिसमें समय समय पर शहर के अनेकों अधिकारियों समाजसेवी संस्थाओं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर आवश्यक सुझाव भी दिये उक्त कार्यक्रम का समापन समारोह रविवार शाम 7 बजे से नगर पालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. कृष्ण गांधी कानुपर डॉ सुनंदा कीर्तन कानपुर, आरएसएस विभाग संघ चालक राजेन्द्र चतुर्वेदी गांधी आश्रम के दुर्गा प्रसाद आर्य प्रदीप खरे मंटू, दुर्गेश खरे, महर्षि विद्यालय मंदिर के प्राचार्य चन्द्रकांत शर्मा एवं ओपी शर्मा के आतिथ्य में हुये समारोह में सबसे पहले दीप प्रज्ज्वलन कर स्वागत गीत बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं गांधी आश्रम के संजय सिंह द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात योग प्रशिक्षक पंकज सोनी के मार्गदर्शन में योग क्रिया को बच्चों ने मंच पर प्रस्तुत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तारतत्य में प्रशिक्षक शालिनी सिंह गाजियाबाद के निर्देशन में बच्चों ने कथक नृत्य, आकांक्षा तिवारी बनारस के निर्देशन में गीतों की प्रस्तुति एवं शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम त्रिपाठी, आदर्श तिवारी बनारस के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों ने तबले की प्रस्तुति देकर मैदान में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया इसके साथ ही कार्यक्रम में बुन्देली नृत्य का मंचन बिंदु दीक्षित के निर्देशन में किया गया। इसके साथ ही मंच के बगल में प्रशिक्षक सविता राजपूत, गीता सोनी, शालिनी चौरसिया के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी जिसको लोगों ने खूब सराहा कार्यक्रम का संचालन अश्विनी दुबे ने किया। एवं सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा कार्यकम की व्यवस्थाओं को बखूबी संभाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण व्ही केवल नेटवर्क के माध्यम से पूरे शहर में किया गया। अंत में शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने शहर सभी समाज सेवियों गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकार बंधुओं का सहयोग के लिये आभार प्रदर्शित किया।

दैनिक हम पाँच

रविवार, 29 मई 2011

संगीतकला शिविर का समापन आज

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत द्वारा स्थानीय गांधी आश्रम में चलाये जा रहे योग संगीत कला शिविर का समापन समारोह नगर पालिका प्रांगण में आज शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न होगा। शिविर में मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि विगत 1 माह से स्थानीय गांधी आश्रम में शहर के बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जिनमें गायन, वादन, नृत्य, मेंहदी, रंगोली, योग, चित्रकला शामिल है। बच्चों के सृजनात्मक विकास हेतु ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में आयोजित शिविर के समापन अवसर पर एक माह तक प्रशिक्षण में भाग लेने वाले बच्चों की प्रस्तुतियां होंगी। जिसमें गायन, वादन, नृत्य, नाटक के साथ साथ पेंटिंग की प्रदर्शनील भी लगाई जायेगी। इसके साथ ही बाहर से आये व्हुये कलाकारों की भी प्रस्तुतियां होंगी। नगर पालिका प्रांगण में आज शाम 7 बजे से होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं इसके साथ ही कार्यक्रम की प्रस्तुति को लकर बच्चों में खूब उत्साह है शहर के बच्चों को इस तरह का मंच प्रदान कर बच्चों के आत्मविश्वास को बढाने के लिये सृजनशीलता का एक अवसर होगा। इस अवसर पर नगर के अधिकारीगण, जनसेवक, संगीतकार, समाज सेवी आदि लोग उपस्थित रहेंगे। शिविर के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने नगर के सभी गणमान्य नागरिकों से नगर पालिका प्रांगण में रविवार शाम 7 बजे होने वाले समापन समारोह के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

विंध्य–शक्ति छतरपुर

रविवार, 29 मई 2011

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होगा संगीत कला शिविर का समापन

समापन समारोह नगर पालिका प्रागंण में आज शाम 07 बजे से

सृजनात्मक युवा भारत द्वारा स्थानीय गांधी में चलाये जा रहे योग, संगीत कला शिविर का समापन समारोह नगर पालिका प्रागंण में आज शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सपन्न होगा।

शिविर के मीडिया सौरभ तिवारी ने बताया कि विगत 01 माह से स्थानीय गांधी आश्रम में शहर के बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जिनमें गायन, वादन, नृत्य, मेंहदी, रंगोली , योग , चित्रकला शामिल हैं। बच्चों के सृजात्मक विकास हेतु ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में आयोजित शिविर के समापन अवसर पर एक माह तक प्रशिक्षण में भाग लेने वाले बच्चों की प्रस्तुतियां होगी। जिसमें गायन, वादन , नृत्य,नाटक के साथ–साथ पेंटिग की प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी । इसके साथ ही बाहर से आये हुए कलाकारों की भी प्रस्तुतियां होगी। नगरपालिका प्रागंण में आज शाम 07 बजे से होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं इसके साथ ही कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर बच्चों में खूब उत्साह है। शहर के बच्चों को इस तरह का मंच प्रदान कर बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सृजनशीलता का एक अवसर होगा। इस अवसर पर नगर के अधिकारीगण, जनसेवक, संगीतकार, समाज सेवी आदि लोग उपस्थित रहेंगें । शिविर के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने नगर के सभी गणमान्य नागरिकों से नगर पालिका प्रांगण में रविवार शाम 07 बजे होने वाले समापन समारोह के शामिल होने की अपील की है।

गांधी आश्रम में लगेगा शिविर

छतरपुर. गांधी स्मारक निधि और सृजनात्मक युवा भारत द्वारा 1 मई से संगीत एवं कला शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में बच्चों को गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला आदि कलाएं विशेषज्ञ सिखाएंगे। गांधी स्मारक निधि के महामंत्री संजय सिंह ने बताया कि शिविर के आयोजन का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा का विकास करना है। इनसे बच्चों को अपनी कला को निखारने का मंच मिलता है। विशेषज्ञों से उस क्षेत्र के बारे में अच्छी जानकारी प्राप्त होती हैं. उन्होंने बताया कि शिविर में बच्चे गर्मियों की छुट्टियों का सदुपयोग कर सकते हैं। शिविर को स्वरूप देने में ऋषिकुल आश्रम, शाश्वत विकास समिति, डीसेंट स्कूल आदि संस्थाएं जुटी हैं।

हरपालपुर ...

संगीत कला शिविर एक मई से

छतरपुर। स्थानीय गांधी स्मारक भवन में एक माह तक चलने वाले संगीतकला शिविर का शुभारंभ एक मई से किया जाएगा। उक्त शिविर के माध्यम से गायन, वादन, नृत्य चित्रकला मूर्तिकला सहित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। खासतौर से बच्चों एवं युवाओं के लिए शिविर काफी उपयोगी साबित होगा।

बच्चों व युवाओं के सर्वांगीण विकास में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानसिक विकास का अहम रोल रहता है। गांधी स्मारक निधि के सहमंत्री संजय सिंह ने बताय कि तीस दिवसीय संगीत कला शिविर के आखिरी दिन विभिन्न कलाओं का मंचन एवं प्रदर्शन होगा। शिविर को स्वरूपता प्रदान करने में ऋषिकुल आश्रम सास्वत विकास समिति डीसेंट इंग्लिश स्कूल की अग्रणी भूमिका है। संजय सिंह का कहन है कि आज के नौजवान व बच्चे सही मार्ग दर्शन न मिलने के कारण भटक जाते हैं। इसलिए समाज के हर व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह जीवन में अपने आसपास के बच्चों व नौजवानों को सही मार्ग दिखाने में सहयोग करे। गर्मियों की छुट्टियों को सृजनात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए शिविर काफी उपयोगी साबित होगा।

वरिष्ठ सर्वोदयी लोकेंद्र भाई नहीं रहे

छतरपुर। बुन्देलखंड के शीर्षस्थ सर्वोदय सेवक तथा उत्तरप्रदेश सर्वोदय संघ के पूर्व अध्यक्ष लोकेंद्र भाई का 85 वर्ष की अवस्था में हृदयाघात के कारण अचानक निधन हो गया। उनके निधन पर गांधी स्मारक भवन में 25 अप्रैल को शोकसभा आयोजित की गई है।

गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह ने बताया कि सर्वोदय सेवक लोकेंद्र भाई बीते रोज अपने गाँव बिजना से झाँसी के लिए रवाना हुए, पर रास्ते में ही बेचैनी महसूस होने के कारण वे बस से बरुआसागर में उतरकर अपने मित्र के यहाँ पहुँचे। सुबह करीब 11 बजे तक उनके कई मित्र तथा एकमात्र पौत्र वहाँ पहुँच गए। -नसरे

गांधी आश्रम में लगेगा संगीत शिविर

छतरपुर। गांधी स्मारक निधि एवं सृजनात्मक युवा भारत के संयुक्त तत्वावधान में आगामी मई माह में संगीत कला शिविर का आयोजन किया जाएगा। गांधी स्मारक निधि के सहमंत्री संजय सिंह ने बताया कि इस शिविर में गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं अन्य गतिविधियां शामिल की गई हैं।

बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सहमंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज के युवा एवं बच्चों को सही मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। कहीं न कहीं उनमें भटकाव है। ऐसी स्थिति में समाज के हर उस व्यक्ति का फर्ज बनता है कि जिसने भी जीवन में विस्तृत क्षेत्रों में काम किया है, वह युवा और बच्चों के बीच आकर अपना ज्ञान बाँटें। शिविर के संयोजक शिव पूजन अवस्थी ने कहा कि गर्मियों की छुट्टियों में युवाओं एवं बच्चों के लिए यह सुनहरा अवसर है। 30 दिवसीय शिविर के आखिरी दिन विभिन्न कलाओं का मंचन एवं प्रदर्शन होगा। शिविर में ऋषिकुल आश्रम, शाश्वत विकास समिति एवं डीसेंट इंग्लिश स्कूल सहयोगी रहेंगे। -नसरे

नईदुनिया

ग्वालियर, शुक्रवार 8 अप्रैल 2011

बच्चों को सिखाई जाएंगी कलाएं

छतरपुर। शहर के गांधी आश्रम में विगत वर्षों की भांति इस बार भी मई माह में योग, संगीत एवं कला शिविर आयोजन किया जाएगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों में शिविर के माध्यम से कला कौशल, मानसिक विकास एवं सृजनशीलता निखारने का प्रयास होगा। गांधी स्मारक निधि के सहमंत्री संजय सिंह ने बताया कि सृजनात्मक युवा भारत के तत्वावधान में एक मई से शिविर का आयोजन होगा। पूरे एक माह तक स्कूली बच्चों को संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला तथा योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर के संचालन में गांधी आश्रम एवं ऋषिकुल आश्रम की मुख्य भूमिका होगी। ऋषिकुल आश्रम के शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि सुबह 6 से 10 बजे तक प्रतिदिन शिविर संचालित होगा, जिसमें बच्चों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण शालिनी सिंह जयपुर द्वारा दिया जाएगा। गायन का प्रशिक्षण आकांक्षा तिवारी बनारस द्वारा दिया जाएगा। तबला वादन का प्रशिक्षण स्वयं शिवपूजन अवस्थी देंगे। चित्रकला का प्रशिक्षण गीता सोनी एवं सविता राजपूत देंगी। मूर्तिकला की बारीकियां दिनेश शर्मा सिखाएंगे। शिविर में मेहंदी, रंगोली तथा अभिनय का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सभी कलाओं के लिए योग्य प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया है।

राज एक्सप्रेस

भोपाल, शुक्रवार, 8 अप्रैल 2011

योग संगीत शिविर 1 मई से

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत के बैनर तले गांधी आश्रम में एक मई से सुबह 6 बजे से 10 बजे तक योग, संगीत, कला शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गांधी आश्रम के सचिव संजय सिंह ने बताया कि शिविर में विषय विशेषज्ञ गायन, वादन, कथक, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला, नाटक, खेल, मेंहदी, रंगोली आदि गतिविधियों का प्रशिक्षण देंगे।

दिनांक 08 अप्रैल 2011 दिन शुक्रवार

दैनिक **मंगलमय**

1 मई से होगा गांधी आश्रम में योग संगीत कला शिविर

छतरपुर 07 अपैल 11/ ... आश्रम में एक माह तक चल... योग संगीत कला शिविर का प्रारंभ 01 मई से किया जायेगा। पिछले वर्षों के भांती इस वर्ष भी शहर के ... कला कौशल मानसिक ... सृजनशीलता निखारने के उद्दे... से अलग अलग विषयों के वाहर से आ रहे विषय विषेसज्ञों द्वारा गायन वादन कत्थक नृत्य पेंटिग मूर्तिकला नाटक ख... गतिविधि... । सृजनात्मक युवा भारत के बैनर तले ... का संचालन गांधी ... आश्रम समिति ... गांधी आश्रम के ... सिंह ने बताया कि ... अनुभवी प्रशिक्षिकों ... है जो शहर के ... दे सकें।

भोपाल, शुक्रवार , 08 अप्रैल , 2011

नव भारत

एक माह तक चलेगा योग संगीत शिविर

छतरपुर. 07 अप्रैल. संवाददाता. स्थानीय गांधी आश्रम में मई के माह में योग संगीत कला शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर में बच्चों में कलाकौशल, मानसिक विकास श्रृजनशीलता निखारने के उद्देश्य से अलग-अलग विषयों के बाहर से विशेषज्ञ शामिल होंगे. शिविर में गायन, वादन, कत्थक, नृत्य, पेंटिंग, मूर्तिकला, नाटक, खेल, मेंहदी, रंगोली आदि गतिविधियां सिखाई जाएगी. श्रृजनात्मक युवा भारत के बैनर तले आयोजित शिविर का संचालन गांधी आश्रम एवं ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा किया जाएगा. आयोजक संजय सिंह, शिवपूजन अवस्थी ने अभिभावकों से शिविर का लाभ लेने को कहा है.

दैनिक शुभ भारत
छतरपुर, मंगलवार 31 मई 2011

युवा भारत योग संगीत कला शिविर सम्पन्न

छतरपुर। पिछले एक माह से स्थानीय गांधी आश्रम में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों के साथ समापन हो गया। ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत शिविर में शहर के बच्चों ने योग, गायन, वादन, नृत्यकला, चित्रकला, मेंहदी, रंगोली, नाटक आदि विधाओं का प्रशिक्षण बाहर से आए शेष कलाकारों से प्राप्त किया। एक माह तक चले इस शिविर में प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने गांधी आश्रम में पहुँचकर अपने सुझाव दिए। समापन अवसर पर डॉ. कृष्ण गांधी कानपुर, डॉ. सुनंदा कीर्तन कानपुर, आर.एस.एस. के विभाग संचालक राजेन्द्र चतुर्वेदी, दुर्गा प्रसाद आर्य, प्रदीप खरे, दुर्गेश खरे, महर्षि स्कूल के प्राचार्य, चंद्रकांत शर्मा उपस्थित रहे। स्वागत गीत बच्चों ने पेश किया। कार्यक्रम का प्रतिवेदन संजय सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके बाद बच्चों ने योग प्रशिक्षक के मार्ग दर्शन में उपस्थित लोगों को योग क्रियायें दिखाई। समापन कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रशिक्षक शालनी सिंह गाजियाबाद के निर्देशन में बच्चों ने कत्थक नृत्य, आंकक्षा तिवारी बनारस के नेतृत्व में गीतों की प्रस्तुति, शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम् त्रिपाठी, आदर्श तिवारी बनारस के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों ने तबले की प्रस्तुति दी। बुंदेली नृत्य का मंचन बिन्दू दीक्षित के निर्देशन में किया गया। मंच के बगल में प्रशिक्षक सरिता राजपूत, गीता सोनी, शालनी चौरसिया के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालक अश्वनी दुबे ने किया।

न्यू राष्ट्र भ्रमण

छतरपुर, शुक्रवार 20 मई 2011

आज युवा संसद में शामिल होंगे सुब्बाराव

छतरपुर। अंतर्राष्ट्रीय गांधीवादी एवं शांतिदूत तथा सर्वोदय समाज के संयोजक डॉ. एसएन सुब्बाराव आज गांधी स्मारक भवन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में मार्गदर्शन हेतु छतरपुर आ रहे हैं। श्री सुब्बाराव गांधी विचार के प्रचार-प्रसार हेतु सर्वोच्च सम्मान जमनालाल बजाज अवॉर्ड से सम्मानित व्यक्ति है तथा साथ ही वे कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। आप राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक हैं तथा देश में कई हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में जैसे कश्मीर, नगालैंड, मणिपुर, असम आदि में शांति स्थापना हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चंबल के डाकुओं के आत्मसमर्पण में भी आपकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। दक्षिण एशिया में आपस में भाईचारा और शांति रहे इस हेतु आप इन देशों में युवाओं का संगठन बनाकर इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। ऐसे प्रतिष्ठित विरल प्रेरणादायी व्यक्तित्व गांधी स्मारक भवन में आज शाम 5 बजे युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 21 मई सुबह 7 बजे सृजनात्मक युवा भारत द्वारा आयोजित ग्रीष्म कालीन कला, संगीत एवं योग शिविर में भाग ले रहे बालकों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर संगीतमयी प्रस्तुति भी होगी।

छतरपुर, गुरुवार 19 सितम्बर 2013 न्यू साधना न्यूज़

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर (न्यू साधना न्यूज़)। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक ... प्रतियोगिता का ... झिन्ना, ... रगौली, ... भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया। विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

विंध्य–शक्ति छतरपुर
गुरुवार, 19 सितम्बर 2013

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

दिनांक-19 सितम्बर 2013 भोपाल की जान

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

दैनिक परिहार गर्जना छतरपुर, गुरूवार 19 सितम्बर 2013

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

दैनिक शुभ भारत

छतरपुर, गुरूवार 19 सितम्बर 2013

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर (एस.बी.न्यूज) 18 सितंबर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

स्टार समाचार
सतना, रविवार
24 मार्च 2013

आयोजित हुई गीत-संगीत और नृत्य प्रतियोगिता

लवकुशनगर। जनपद पंचायत कार्यालय में म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा गीत-संगीत व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नामांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम छटी बम्हौरी प्रगति युवा विकास के वैभव महिला संस्थान तथा प्रस्फुटन समिति देवनगर, बगमऊ और भुवानीपुर ने हिस्सा लिया। इसके बाद आयोजित होने वाली जिला स्तरीय गीत-संगीत और नृत्य प्रतियोगिता में विजेता को 11 हजार रूपये तथा उपविजेता को पांच हजार रूपये पुरस्कार दिया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष रामप्रसाद यादव, जनपद सीईओ आरपी मिश्रा, भाजपा नेत्री उपमा त्रिपाठी, लवकुशनगर टीआई शहजाद सिंह, शिवपूजन अवस्थी, नरेन्द्र चौबे, हरिराम अहिरवार, गीता जाटव, शांति त्रिवेदी, संतोष राजपूत मौजूद थे।

छतरपुर, शुक्रवार, 20 सितम्बर 2013 | कृष्ण क्रान्ति

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
भोपाल, गुरुवार 19 सितम्बर 2013

लोकगीतों ने मोहा सभी का मन

लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्होरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया।विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

नव भारत

भोपाल, गुरुवार, 19 सितम्बर 2013

लोकगीतों ने मोहा मन

लवकुशनगर 18 सितम्बर. जअप की नवांकुर संस्था द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक

कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया. इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वाद - विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की टीम विजेता रही. दौड़ में नीरज कुशवाहा अब्वल रहा. कार्यक्रम में ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे.

जन जन जागरण

10 भोपाल गुरुवार 19 सितंबर 2013

लोक संगीत कार्यक्रम आयोजित

■ लवकुशनगर। मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया। विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वही वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फूटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल, 19 सितम्बर 2013 3 दैनिक जागरण

लोकगीतों ने मोहा दर्शकों का मन

जागरण,लवकुशनगर

मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति द्वारा ग्राम चितहरी में लोक संगीत गायन, पर्यावरण एवं जैविक कृषि नाटक एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें झिन्ना, रगौली, गिलौहा, भड़ार, दोनी, बम्होरी, मिढ़का, पिपरी, भैरमपुरवा, बम्हौरीपुरवा, दिदवारा आदि ग्रामों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों व टीमों ने भाग लिया। विकास गंगेले ने बताया कि इन प्रतियागिताओं में भाग ले रही टीमों में से लोकगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गिलौहा के रामदीन यादव की टीम विजय रही, वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में झिन्ना के एम.एल. गुप्ता रहे तथा नाटक प्रतियोगिता में दोनी की विजेता रही तथा दौड़ प्रतियोगिता में नीरज कुशवाहा रहा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष हरीराम अहिरवार, मुन्नीलाल गुप्त, अनिल द्विवेदी, राकेश रिछारिया, जीतेंद्र रिछारिया एवं ग्राम सरपंच लाखन राजपूत, आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता अर्चना विश्वकर्मा सहित ग्राम प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य उपस्थित रहे।

छतरपुर, रविवार 18 अगस्त 2013

आल्हा गायन सुनकर झूमे श्रोता

छतरपुर, 17 अगस्त कार्या.। लवकुशनगर स्थित सांस्कृतिक भवन में म.प्र. जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया। जिसमें आल्हा गायन एवं राष्ट्र भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

म.प्र. जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक हरिराम अहिरवार ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम के तहत रेडियो सिं [illegible] उमाशंकर सेन ने आल्हा गायन के माध्यम से माधवगढ़ की लड़ाई का मनमोहक प्रस्तुतीकरण [illegible]। उपस्थित [illegible] भ[illegible] विभोर हो गए। इसी तरह राष्ट्र भक्तिगीतों का भी आयोजन किया गया। गायक प्रहलाद सिंह के गीतों को [illegible] ने सराहा। विभा

शर्मा, प्रगति चौरसिया, मकसूद खान की प्रस्तुतियों को लोगों ने पसंद किया। नन्हीं बालिका समृद्धि गंगेले, ऋषि गंगेले, श्रद्धा अवस्थी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। नवांकुर संस्था प्रगति युवा विकास केन्द्र, वैभव महिला समिति, ऋषि कुल आश्रम समिति, स्व.रामलाल शुक्ल स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदू उत्सव समिति के सामूहिक सहयोग से कार्यक्रम ...शेष पृष्ठ चार पर

दैनिक **बुन्देली भास्कर**

18 अगस्त, 2013 दिन- रविवार

एक शाम शहीदों के नाम

छतरपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरूवार को पुरानी तहसील स्थित सांस्कृतिक भवन में म.प्र. जन अभियान परिषद और ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कलाकारों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, गजल और भजनों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। [illegible] मुख्य आतिथ्य में शाम 5 बजे से शुरू हुए इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंडित उपेंद्र नाथ कला महाविद्यालय के छात्रों के अलावा क्षेत्र के अन्य कलाकारों ने भी अपने गीत गजलों के माध्यम से वातावरण को रसमय बनाया। इस कार्यक्रम में कुमारी विभा शर्मा, प्रहलाद सेन व सचिन्द्र महतो की प्रस्तुति को सराहा गया। देर शाम तक यह कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को राष्ट्रभक्ति के बंधन में बांधे रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ आरपी मिश्रा, पूर्व प्राचार्य आरएस द्विवेदी, भाजपा मंत्री उपमा त्रिपाठी, एडवोकेट कामता प्रसाद चतुर्वेदी, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक हरिराम अहिरवार, पत्रकार संजू बाबा, राजेन्द्र जड़िया, विकास गंगेले, वसीम खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक चित्रपूजन अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दैनिक जागरण भोपाल, 18 अगस्त 2013

आल्हा गायन ने शमां बांधा

लवकुशनगर। स्वतन्त्रता दिवस पर सांस्कृतिक भवन में म.प्र. जन अभियान परिषद की नामंकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति ने एक शाम अमर शहीदों के नाम रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में आल्हा गायन एवं राष्ट्र भक्ति गीतों की प्रस्तुति ने शमा बांध दिया। कार्यक्रम में रेडियो सिंगर उमाशंकर सेन ने आल्हा गायन में पाथवगढ़ की लड़ाई विषय पर प्रस्तुति दी। श्रोताओं ने इसका भरपूर आनंद लिया। शाम को राष्ट्र भक्ति गीतों की प्रस्तुति को सुनकर लोग भाव विभोर हो उठे। गायक प्रहलाद सेन मैहर के गीत को सभी ने सराहा विभा शर्मा, प्रगति चौरसिया, ममता पाल, मकसूद खान की प्रस्तुतियां भी पसंद की गई। नन्ही बालिका समृद्धि गंगेले, श्रद्धा अवस्थी और ऋषि गंगेले ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर पूर्व सैनिक रामावतार मिश्रा को सम्मानित किया गया, साथ में उमाशंकर सेन, छेदालाल यादव, मनीष कुमार को शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। एच सी अहिरवार ने संचालन किया। इस अवसर पर एसडीएम हेमकरण धुर्वे, जनपद सीईओ आर पी मिश्रा, बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजकिशोर तिवारी, केपी चतुर्वेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष उपमा त्रिपाठी, पार्षद सीता तिवारी, शांति त्रिवेदी, बाबूराम सिंह, वीरेन्द्र सराफ संजू बाबा, कार्यक्रम समन्वयक विकास गंगेले सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नन्हीं प्रतिभाओं ने दिखाए कला के जौहर

सांस्कृतिक संध्या | ग्रीष्मकालीन योग, संगीत और कला शिविर का समापन, सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

शहर की नन्ही प्रतिभाओं के अंदर छिपी कला का निखारने के लिए आयोजित किए गए ग्रीष्म कालीन योग, कला और संगीत शिविर का गुरूवार की रात समापन हुआ। नपा प्रांगण में हुए समापन कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। यहां शिविर में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

शिविर के मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में ग्रीष्म कालीन योग संगीत कला शिविर का आयोजन गांधी आश्रम किया गया था। शिविर में विशेषज्ञों से बच्चों ने योग, गायन, वादन नृत्य, मूर्तिकला, चित्रकला, मेंहदी, रंगोली आदि विधाओ का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए आयोजित इस शिविर के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति और पुरूस्कार वितरण हुआ। कार्यक्रम में मुख्य आतिथि नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कहा कि बच्चो की प्रतिभा निखारने के लिये आयोजित ऐसे शिविर बच्चो के संगीत एवं कला में रूचि के साथ साथ उनका मानसिक एव चारित्रिक विकास करता हैं।

गांधी स्मारक निधि के संजय सिंह ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बढ़ाते है। कार्यक्रम को सीएमओ डीडी तिवारी ने भी संबोधित किया। बच्चों द्वारा सीखे हुई विधाओं की एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां नपा प्रांगण में दी गई।शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर विचार रखे। इस दौरान गहोई यूथ क्लब,इनवॉयरमेंट एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा बच्चो को पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम गहोई यूथ क्लब के अध्यक्ष कृष्णा रावत, संजीव नगरिया, माला अग्रवाल, चन्द्रशेखर, संजय खरे सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. अश्विनी दुबे ने किया।

शिविर में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते बच्चे। इनसेटः शिविर में बच्चों ने पुरस्कृत किया गया।

कथक की प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

कला महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

राज न्यूज नेटवर्क

छतरपुर। जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लवकुशनगर में पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल कला महाविद्यालय में एक माह से चल रहा ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत शिविर का समापन नामदेव मैरिज हाउस में मंगलवार को दिल्ली से आई कथक नृत्यांगना शालिनी शर्मा की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीजेएम छतरपुर डीपी मिश्रा ने कार्यक्रम के प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि लवकुशनगर जैसे छोटे से कस्बे में योग, कला, संगीत शिविर का आयोजन एक अभिनव पहल है। भौतिक चकाचौंध में आज संगीत, कला, नृत्य का अस्तित्व धीरे-धीरे गिरता जा रहा है, तथा संस्कृति का ह्रास हो रहा है।, ऐसे में शिविर लगाकर बच्चों को कला संगीत का प्रशिक्षण देना एक सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम रमेश कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से अनेक बच्चे जहां कला संगीत की बारीकियां सीख रहे हैं वहीं भारतीय संस्कृति से भी रूबरू हो रहे हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायाधीश द्वय श्री नामदेव व श्री त्रिवेदी, व्ही न्यूज के संपादक दुर्गेश खरे मौजूद रहे। नामदेव मैरिज हाउस में हुए इस कार्यक्रम में छवि विश्वकर्मा, आरती द्विवेदी, उमा तिवारी व कंचन त्रिवेदी ने सरस्वती वंदना, गणेश वंदना व भजन प्रस्तुत किए। ज्योति सोनी, मोहनी तिवारी, खुशबू जैन व पूजा गुप्ता के ग्रुप ने सामूहिक नृत्य किया। नृत्यांगना व स्पिक मैके की सदस्या शालिनी शर्मा ने कत्थक नृत्य का भावपूर्ण प्रस्तुति करण कर लोगों को दांतों तले उंगली दबाने को विवश कर दिया।

इन्होंने लिया प्रशिक्षण

शिविर में कत्थक सीख रही दो बच्चों की मां सविता दास का कहना है कि वह नृत्य सीख कर स्वयं एक अच्छी नृत्यांगना बन मंचों में प्रस्तुति देना चाहती है। वहीं शिक्षिका ऋतुबाला द्विवेदी का कहना है कि कत्थक सीख कर वह बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण देंगी। गायन सीख रही छवि विश्वकर्मा का कहना है कि उसे इसकी प्रेरणा बड़े पापा मशहूर कीर्तनकार मामादीन विश्वकर्मा से मिली, आरती द्विवेदी, शिवानी सोनी ने बताया कि वह अच्छी गायिका बनना चाहती है।

राज एक्सप्रेस
भोपाल, गुरुवार, 31 मई, 2012

12 नईदुनिया ग्वालियर, शुक्रवार 1 जून 2012

संगीत बिना जीवन सूना : सीजेएम

■ संगीत एवं कला शिविर का समापन

लवकुशनगर। संगीत का जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व है। इसके बिना जीवन सूना-सूना लगता है। लवकुशनगर जैसी छोटी जगह पर संगीत शिविर का आयोजन करके बच्चों, युवाओं और महिलाओं को कला में पारंगत करना सराहनीय कदम है।

यह बात सीजेएम डीपी मिश्रा ने पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल कला महाविद्यालय द्वारा आयोजित संगीत शिविर के समापन समारोह में कही। वह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल कला महाविद्यालय में एक माह तक ग्रीष्मकालीन योग, कला एवं संगीत शिविर का आयोजन किया गया। मंगलवार को नामदेव मैरिज हाउस में समारोह पूर्वक शिविर का समापन हुआ। मुख्य अतिथि सीजेएम छतरपुर डीपी मिश्रा रहे। अध्यक्षता लवकुशनगर एसडीएम रमेश सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विजन केबल नेटवर्क के डायरेक्टर दुर्गेश खरे मौजूद रहे। मुख्य अतिथि श्री मिश्रा ने कहा कि आज के दौर में बच्चों को संगीत की शिक्षा देना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है।

लवकुशनगर जैसे छोटे कस्बे में शिविर का आयोजन करके संस्था ने सराहनीय कार्य किया है। एसडीएम रमेश सिंह ने कहा कि शिविर से बच्चे न केवल नृत्य व संगीत से परिचित हुए बल्कि भारतीय संस्कृति को भी उन्होंने जाना। इस अवसर पर ज्योति सोनी, मोहिनी तिवारी, खुशबू जैन व पूजा गुप्ता ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। स्पिक मैके की ओर से कथक नृत्यांगना शालिनी शर्मा दिल्ली ने भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में शिविर के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त किया। -नसं

दैनिक भास्कर
सागर, शनिवार 19 मई, 2012 8

डीआईजी ने किया शिविर का अवलोकन

छतरपुर। छतरपुर रेंज के डीआईजी वेदप्रकाश शर्मा ने शुक्रवार को गांधी आश्रम में चल रहे ग्रीष्म कालीन योग, संगीत, कला शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने यहां पर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें योग क। अभ्यास कराया। शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि यह शिविर विविध कलाओं का संगम है, जिसमें बच्चों की प्रतिभा को निखारा जा सकता है। लोगों को चाहिए कि ऐसे शिविरों में अपने बच्चों को अवश्य शामिल कराएं। डीआईजी श्री शर्मा शिविर में संगीत, पेंटिंग, योग सीख रहे बच्चों के समक्ष पहुंचे तथा उन्होंने शिक्षकों के सिखाने के तरीके और बच्चों में कला संगीत सीखने की ललक को देखकर सराहा। कार्यक्रम में शिवपूजन अवस्थी, सौरभ मिश्रा, राजस्थान से आए प्रसिद्ध चित्रकार एसएन जोशी, दिलीप जोशी, संजय सिंह, दुर्गा प्रसाद आर्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

न्यू राष्ट्र भ्रमण
छतरपुर, गुरूवार 31 मई 2012

जीवन के हर क्षेत्र में संगीत का महत्व - सीजेएम

लवकुशनगर 30 मई (निसं)।

संगीत एक ऐसी कला है जिसका जीवन के प्रत्येक क्षेत्र मे खासा महत्व हैं। न्यायिक क्षेत्र का हो बावजूद मै मानता हूं कि इस क्षेत्र मे भी संगीत का महत्व है। लवकुशनगर जैसे छोटे से अंचल मे गीत संगीत नृत्य कला मे बच्चो युवाओं और महिलाओं को पारंगत करने के लिए इस महाविद्यालय द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहें हैं। छतरपुर के सीजेएम डीपी मिश्रा मंगलवार को पंडित उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल कला महाविद्यालय मे आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम रमेश सिंह ने की।

इस कला महाविद्यालय मे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृति और कला के क्षेत्र को बढावा देने के लिए काम

कर रही संस्था स्टिक मैके की प्रतिनिधि कत्थक की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना शालिनी शर्मा मुख्य आकपर्ण का केन्द्र रही। सुश्री शर्मा यहां 22 मई को आ गई थी और उन्होंने 29 मई तक इस अंचल की करीब 60 बच्चियों, युवतियों और महिलाओं को कत्थक नृत्य सिखाया। समापन समारोह मे स्वंय सुश्री शर्मा ने भी शानदार कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। रात्रि 11 बजे तक चले कार्यक्रम मे तकरीबन 500 श्रोता और दर्शक मौजूद थे इनमे कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक व पत्रकारगण भी मौजूद थे। संस्था के संचालक शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि वह आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करेंगें।

राज एक्सप्रेस
भोपाल, गुरुवार, 10 मई 2012

योग प्रशिक्षण

छतरपुर। लवकुशनगर में इन दिनों कला महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन चल रहा है। जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को योगा, संगीत, कला के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ■ फोटो-आरएनएन

राज एक्सप्रेस
भोपाल, मंगलवार, 22 मई 2012

बच्चे सीख रहे विधाओं के हुनर

■ राज न्यूज नेटवर्क

छतरपुर। ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वावधान में पं.उपेन्द्र नाथ कला महाविद्यालय लवकुशनगर में 20 दिनों से चल रहे ग्रीष्म कालीन संगीत, कला, योग प्रशिक्षण शिविर में 128 अधिक छात्र-छात्राएं विधाओं के हुनर सीख रहे हैं। समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सर्राफ ने बताया कि 1 मई से प्रारंभ इस शिविर में 128 छात्र छात्राओं का पंजीयन किया जा चुका है।

बच्चे व बच्चियां शास्त्रीय गायन, तबला वादन, ढोलक वादन, कत्थक नृत्य, मेंहदी ,पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संगीत शिक्षक प्रहलाद सैन गायन, विश्वनाथ राय तबला, सचिन महतों ढोलक सिखा रहे हैं। इसी प्रकार शाहीन खातून, शशि निगम व स्वेता त्रिपाठी बच्चियों को मेंहदी लगाना सिखा रही हैं।

पेंटिंग के लिए राजस्थान से ख्याति प्राप्त चित्रकार एन.एस. जोशी ने एक सप्ताह का समय देकर प्रतिभागियों को चित्रकला की बारीकियां सिखाईं। नित्य सुबह

साढ़े पांच बजे नगर के अनेक युवा व महिलाएं योग गुरु सचिन महतो के निर्देशन में महाविद्यालय के आंगन में कपाल भाति, अनुलोम विलोम, भस्तिका करती दिखाई देती हैं। शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि इस शिविर को लेकर नगर के छात्र छात्राओं में बड़ा उत्साह है तथा प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

कथक की प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

कला महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

राज न्यूज नेटवर्क

छतरपुर। जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लवकुशनगर में पं. उपेन्द्र नाथ ऋषिकुल कला महाविद्यालय में एक माह से चल रहा ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत शिविर का समापन नामदेव मैरिज हाउस में, मंगलवार को दिल्ली से आईं कथक नृत्यांगना शालिनी शर्मा की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीजेएम छतरपुर डीपी मिश्रा ने कार्यक्रम के प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि लवकुशनगर जैसे छोटे से कस्बे में योग, कला, संगीत शिविर का आयोजन एक अभिनव पहल है। भौतिक चकाचौंध में आज संगीत, कला, नृत्य का अस्तित्व धीरे-धीरे गिरता जा रहा है तथा संस्कृति का ह्रास हो रहा है। ऐसे में शिविर लगाकर बच्चों को कला संगीत का प्रशिक्षण देना एक सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम रमेश कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से अनेक बच्चे जहां कला संगीत की बारीकियां सीख रहे हैं वहीं भारतीय संस्कृति से भी रूबरू हो रहे हैं। विशिष्ठ अतिथि के रूप में न्यायाधीश द्वय श्री नामदेव व श्री त्रिवेदी, व्ही न्यूज के संपादक दुर्गेश खरे मौजूद रहे। नामदेव मैरिज हाउस में हुए इस कार्यक्रम में छवि विश्वकर्मा, आरती द्विवेदी, उमा तिवारी व कंचन त्रिवेदी ने सरस्वती वंदना, गणेश वंदना व भजन प्रस्तुत किए। ज्योति सोनी, मोहनी तिवारी, खुशबू जैन व पूजा गुप्ता के ग्रुप ने सामूहिक नृत्य किया। नृत्यांगना व स्पिक मैके की सदस्या शालिनी शर्मा ने कत्थक नृत्य का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण कर लोगों को दांतों तले उंगली दबाने को विवश कर दिया।

इन्होंने लिया प्रशिक्षण

शिविर में कत्थक सीख रहीं दो बच्चों की मां संचिता दास का कहना है कि वह नृत्य सीख कर स्वयं एक अच्छी नृत्यांगना बन मंचों में प्रस्तुति देना चाहती हैं। वहीं शिक्षिका ऋतुबाला द्विवेदी का कहना है कि कत्थक सीख कर वह बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण देंगी। गायन सीख रही छवि विश्वकर्मा का कहना है कि उसे इसकी प्रेरणा बड़े पापा मशहूर कीर्तनकार मामादीन विश्वकर्मा से मिली, आरती द्विवेदी, शिवानी सोनी ने बताया कि वह अच्छी गायिका बनना चाहती है।

राज एक्सप्रेस
भोपाल, गुरुवार, 31 मई, 2012

भोपाल, शनिवार, 12 मई, 2012 नव भारत

जागरूकता रैली निकाल बच्चों द्वारा श्रमदान

लवकुशनगर, 11 मई. जन भागीदारी से श्री हनुमान सागर में चल रहे श्रमदान शिविर में गुरुवार को पंडित उपेन्द्रनाथ कला महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया. इसके पहले महाविद्यालय की छात्राओं ने हाथों में जल संरक्षण के नारे लिखी तख्तियां लेकर नगर में जागरुकता रैली निकाली तथा लोगों को पानी बचाने व पानी का संग्रहण करने का संदेश दिया. इसके बाद वे रैली के रूप में हनुमान तालाब पहुंची तथा तालाब खुदाई कार्य में श्रमदान किया. महाविद्यालय की छात्राओ द्वारा निकाली गई रैली का नागरिकों में गहरा प्रभाव पड़ा है। छात्राओं में रितुबाला द्विवेदी, मोहिनी दीक्षित, राशी निगम, रचना निगम, श्वेता त्रिपाठी, गीता विश्वकर्मा, छवि विश्वकर्मासहित अनेक छात्राओं ने श्रमदान किया. महाविद्यालय के संचालक शिवपूजन अवस्थी आदि शामिल थीं.

कृष्णा क्रान्ति

छतरपुर, गुरुवार, 31 मई 2012

शिविरों से प्रतिभाओं का विकास होता है - सीजेएम

कला के विकास के लिये शिविर आवश्यक हैं - दुर्गेश खरे

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि सीजेएम श्री डीपी मिश्रा एवं व्ही न्यूज के डायरेक्टर दुर्गेश खरे। संगीत शिविर में बडी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लवकुशनगर, 30 मई। पं. उपेन्द्रनाथ योग संगीत कला महाविद्यालय के तत्वाधान में पिछले एक माह से चल रहे ग्रीष्मकालीन योग संगीतकला शिविर का मंगलवार की शाम नामदेव मैरिज हाउस में समापन हो गया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी माननीय श्री डीपी मिश्रा शामिल हुये। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्ही न्यूज के डायरेक्टर दुर्गेश खरे द्वारा की गयी। विशिष्ट अतिथि के रूप में लवकुशनगर एसडीएम रमेश सिंह, तहसीलदार यूसी मेहरा, सिविल जज श्री नामदेव, श्री त्रिवेदी, जनपद सीईओ आरपी मिश्रा, भाजपा नेत्री उपमा त्रिपाठी मंचासीन थीं।

ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन समारोह में व्ही न्यूज की सह मालिक श्रीमति हर्षिता खरे का अभिनंदन किया गया।

समापन समारोह में दिल्ली से आयीं प्रख्यात नृत्यांगना एवं कत्थक में महारथ हासिल कर चुकी शालिनी शर्मा द्वारा यहां कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। शालिनी शर्मा की ही निगरानी में ही यहां संस्था में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छोटे छोटे बच्चों द्वारा कत्थक क प्रस्तुति दी गयी। करीब तीन घंटे तक चले कार्यक्रम में प्रतिभागी अपनी प्रस्तुतियां देते रहे। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुये सीजेएम श्री मिश्रा ने कहा कि प्रतिभायें जन्मजात होती हैं और इनका विकास शिविरों से ही होता है अतः प्रतिभाओं को दिशा देने के लिये इस प्रकार के शिविरों का आयोजन बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्ही न्यूज के डायरेक्टर दुर्गेश खरे ने कहा कि प्रतिभाओं के विकास और कला को निखारने के लिये संगीत शिविरों का आयोजन समय समय पर होता रहना चाहिए। पं. उपेन्द्रनाथ संगीत कला महाविद्यालय द्वारा जो शिविर का आयोजन किया गया वह एक बेहद सराहनीय कार्य है। समापन समारोह को श्रीमति हर्षिता खरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेन्द्र सर्राफ, शिवपूजन अवस्थी, सिन्नी बाजपेयी, राकेश रिछारिया, बाबूराम सिंह, पत्रकार राजेश निगम, जावेद खान, विकास गंगेले, प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ओज को मिला सम्मान

ग्रीष्मकालीन योग संगीत कला शिविर के समापन समारोह में उत्कृष्ट तबला वादन करने वाले ओज खरे को संस्था द्वारा पुरस्कार भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अन्य प्रतिभाओं को भी पुरस्कृत किया गया।

14 नईदुनिया | ग्वालियर, मंगलवार 31 मई 2011

योग, संगीत और कला शिविर का रंगारंग समापन

नन्हे कलाकारों ने बांधा समां

बच्चों ने लगाई चित्र प्रदर्शनी

छतरपुर। गांधी आश्रम में एक माह तक चले योग, संगीत एवं कला शिविर का नगर पालिका प्रांगण में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस मौके पर बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए जमकर वाहवाही लूटी। बच्चों के प्रशिक्षकों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया।

शिविर के समापन समारोह में मंचासीन अतिथि।

सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देती बालिकाएं।

सृजनात्मक युवा भारत द्वारा गांधी आश्रम में ग्रीष्मकालीन योग, संगीत एवं कला शिविर का आयोजन किया गया था। बीती 1 मई से शुरू हुए शिविर का रविवार की शाम नगर पालिका प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। समारोह में डॉ. कृष्ण गांधी कानपुर, डॉ. सुनंदा कीर्तने झांसी, दुर्गाप्रसाद आर्य मंत्री गांधी आश्रम, राजेंद्र चतुर्वेदी विभाग संघ चालक आरएसएस, चंद्रकांत शर्मा प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर, ओपी शर्मा प्राचार्य, अशोक राय, प्रो.जेपी मिश्रा, दुर्गेश खरे एवं बद्रीप्रसाद प्रसाद खरे निरंकार अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का माल्यार्पण से स्वागत किया। गांधी आश्रम के सहमंत्री संजय सिंह ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्वागत गीत के बाद रंगारंग प्रस्तुतियां प्रारंभ हुईं। सबसे पहले अकांक्षा तिवारी के निर्देशन में बच्चियों द्वारा सामूहिक गीत पेश किया गया। योग प्रशिक्षक पंकज सोनी के निर्देशन में बच्चों ने योग की सामूहिक प्रस्तुति दी। शिवपूजन अवस्थी के निर्देशन में बच्चों द्वारा तबला वादन प्रस्तुत किया गया। नृत्य प्रशिक्षक शालिनी सिंह के निर्देशन में बच्चियों ने सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। आकांक्षा तिवारी बनारस ने एकल गायन भी पेश किया। कथक नृत्यांगना एवं बच्चों को नृत्य का प्रशिक्षण देने वाली शालिनी सिंह गाजियाबाद ने खुद भी नृत्य की एकल प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अरविंद दीक्षित के निर्देशन में बच्चों द्वारा बुंदेली नृत्य नौरता की सामूहिक प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर नाटक 'ढोंगी बाबा' का मंचन भी किया गया। नगर पालिका सांस्कृतिक मंच के बगल में बच्चों की चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। विजन केवल नेटवर्क की ओर से सभी प्रशिक्षकों एवं कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। कार्यक्रम में शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी, मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी, मनोज चौरसिया सहित बच्चों के अभिभावक एवं नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह का संचालन अश्विनी दुबे ने किया। -नसं

दैनिक शुभ भारत

छतरपुर, मंगलवार 17 मई 2011

सनातन धर्म सेवा समिति ने कराया बच्चों को स्वल्पाहार

छतरपुर। कहा जाता है कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं उन्हें जिस रूप में ढाला जाये उसी आकृति में ढल जाते हैं। ठीक इसी प्रकार का एक अनूठा प्रयास स्थानीय गांधी आश्रम में प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी ऋषिकुल आश्रम के तत्वाधान में योग, संगीत कला शिविर में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें बच्चियों को अपनीप्रतिभा को निखारने का अवसर मिल रहा है। शिविर के दौरान सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया एवं बच्चोंकी कलाओं से प्रभावित हो उनका उत्साह वर्धन भी किया गया।

शिविर के मीडिया प्रभारी एवं समिति के अध्यक्ष पं. सौरभ तिवारी ने बताया कि गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में एक ही छत के नीचे कई प्रकार की विधाओं का जिसमें, गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं नाटक कला का बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनारस, गाजियाबाद के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा हुनर की बारीकियां सिखाई जा रही है। सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा स्वल्पाहार काय्रक्रम में रामनिवास त्रिपाठी, शिवपूजन अवस्थी, रीतेश अरजरिया, मंयक शर्मा, सानू ताम्रकार, पवन ताम्रकार, बुलट सोनी, रिंकू द्विवेदी, अंशु अग्रवाल गोविन्द विश्वकर्मा, डिनी सोनी सहित समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ संगीत कला शिविर का समापन

दैनिक हम पांच

मंगलवार, 31 मई 2011

छतरपुर। स्थानीय गांधी आश्रम में विगत एक माह से चल रहे सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का समापन रविवार शाम नगर पालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर के मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में चल रहे सृजनात्मक युवा भारत शिविर में शहर के बच्चों ने योग,गायन, वादन, नृत्य कला चित्रकला, मेंहदी रंगोली, नाटक आदि विधाओं का प्रशिक्षण बाहर से आये हुये श्रेष्ठ कलाकारों ने 1 मई से 30 मई तक गांधी आश्रम के प्राकृतिक वातावरण में दिया जिसमें समय समय पर शहर के अनेकों अधिकारियों समाजसेवी संस्थाओं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर आवश्यक सुझाव भी दिये उक्त कार्यक्रम का समापन समारोह रविवार शाम 7 बजे से नगर पालिका प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. कृष्ण गांधी कानपुर डॉ सुनंदा कीर्तन कानपुर, आरएसएस विभाग संघ चालक राजेन्द्र चतुर्वेदी गांधी आश्रम के दुर्गा प्रसाद आर्य प्रदीप खरे मंटू, दुर्गेश खरे, महर्षि [illegible] विद्यालय मंदिर के प्राचार्य चन्द्रकांत शर्मा एवं ओपी शर्मा के आतिथ्य में हुये समारोह में सबसे पहले दीप प्रज्वलन कर स्वागत गीत बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं गांधी आश्रम के संजय सिंह द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात योग प्रशिक्षक पंकज [illegible] के मार्गदर्शन में योग क्रिया को बच्चों ने मंच पर प्रस्तुत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के [illegible] में प्रशिक्षक शालिनी सिंह [illegible] के निर्देशन में बच्चों ने कथक नृत्य, आकांक्षा तिवारी [illegible] के निर्देशन में गीतों की प्रस्तुति एवं शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम त्रिपाठी, आदर्श तिवारी बनारस के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों ने तबले की प्रस्तुति देकर मैदान में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया इसके साथ ही कार्यक्रम में बुन्देली नृत्य का [illegible] बिंदु दीक्षित के निर्देशन में किया गया। इसके साथ ही मंच के बगल में प्रशिक्षक सविता राजपूत, मीना सोनी, शालिनी चौरसिया के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों की चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी जिसको लोगों ने खूब सराहा कार्यक्रम का संचालन अश्विनी दुबे ने किया। एवं सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा कार्यकम की व्यवस्थाओं को बखूबी संभाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण [illegible] केबल नेटवर्क के माध्यम से पूरे शहर में किया गया। अंत में शिविर संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने शहर सभी समाज सेवियों गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकार बंधुओं का सहयोग के लिये आभार प्रदर्शित किया।

कथक की मुरीद हुई विदेशी बाला

फ्रांस से भारत जैविक खेती को जानने आई विदेशी युवती को कथक नृत्य भाया

नीरज सोनी | छतरपुर

एक सप्ताह पहले फ्रांस से भारत में जैविक खेती के गुर सीखने आई एक विदेशी बाला कथक नृत्य से इस कदर प्रभावित हुई कि वे अपने फ्यूचर प्लान छोड़कर कथक सीखने में जुट गई हैं। इन दिनों गांधी आश्रम में वे पूरी तन्मयता से कथक का रियाज करने में लगी है।

फ्रांस के टियूप्पो शहर के एक अस्पताल में पेशे से नर्स मैरिएंस एक सप्ताह पहले ही भारत में जैविक खेती का तरीका सीखने के लिए आई थी। उन्होंने एक वेबसाइट पर छतरपुर के गांधी आश्रम में चलने वाले जैविक खेती प्रकल्प की जानकारी ली और मंगलवार को वे यहां आ गईं। गांधी आश्रम में चल रहे समर कैंप के प्रतिभागी बच्चों को कथक सीखते देख मैरिएंस की इच्छा भी कथक सीखने की हुई। उन्होंने जैविक खेती का काम बीच में ही छोड़कर कथक का हुनर सीखने की ठान ली। हालांकि कथक के रियाज के बाद शेष बचने वाले समय में वे गांधी आश्रम परिसर में जैविक खाद बनाने और खेतों को तैयार करने में पसीना बहाती हैं।

सीखने की ललक बेमिसाल

वे अपनी कथक गुरू खैरागढ से आई रचना निशाद से कथक के स्टेप सीख रही हैं। रचना बताती हैं कि हर सुबह और शाम के समय मैरिएंस अपने पैर में घुंघरू बांधकर उनके पास आ जाती है और तब तक रियाज करती है, जब तक कि वह थककर चूर नहीं हो जाती है। रचना के अनुसार मैरिएंस की तरह शिद्दत किसी और प्रशिक्षार्थी में उन्हें देखने नहीं मिली। मैरिएंस ने बताया कि वह भारत में जैविक खेती की हुनर इसलिए सीखने आई थी, ताकि अपने घर के गार्डन में जैविक तरीके के फार्मिंग कर सके, लेकिन यहां आकर उसे एक जिंदादिल कला का हुनर सीखने मिल रहा है। इसलिए वे ऐसे मौके को गवाना नहीं चाहती है। मैरिएंस ने बताया कि वे अपने वीजा की डेट बढ़वाने का प्रयास कर रही हैं।

दैनिक भास्कर - 7/6/2010

राज एक्सप्रेस
भोपाल, मंगलवार, 31 मई 2011
15

संगीत शिविर का रंगारंग समापन

■ राज न्यूज नेटवर्क

छतरपुर। सृजनात्मक युवा भारत के तत्वावधान गांधी आश्रम में संचालित योग कला शिविर का बीती शाम नपा प्रांगण में समारोक पूर्वक समापन हुआ। समारोह समापन में पिछले एक माह से प्रशिक्षण ले रहे नन्हें मुन्ने बच्चों ने गायन, वादन नृत्य सहित विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में कानपुर के डॉ. कृष्णगांधी डॉ. सुनंदा कीर्तन, आरएसएस के विभाग संघ चालक राजेन्द्र चतुर्वेदी, गांधी आश्रम के दुर्गा प्रसाद आर्य, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रदीप खरे मंटू, दुर्गेश खरे, महर्षि विद्यालय के प्राचार्य चन्द्रकांता, हटवारा प्राचार्य ओपी शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। गांधी आश्रम के सचिव संजय सिंह ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृखंला शुरू हुई। गाजियाबाद से आई प्रशिक्षक शालनी सिंह के निर्देशन में बच्चों ने कथक नृत्य आकांक्षा तिवारी के निर्देशन में गायन और शिवपूजन अवस्थी, सुंदरम त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बच्चों ने तबले की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिंदु दीक्षित के मार्गदर्शन में बुंदेली नृत्य की

छतरपुर। ग्रीष्मकालीन शिविर में गायन, वादन की प्रस्तुति देने वाले कलाकार।

मनोहारी प्रस्तुति पेश की गई। कार्यक्रम का संचालन अश्वनी दुबे ने किया। देर रात तक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर जारी रहा। नगर पालिका प्रांगण में बच्चों द्वारा निर्मित पेंटिंग, रंगोली आदि की भी प्रदर्शनी लगाई गई। समापन अवसर पर अतिथियों ने शिविर में प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। आयोजन समिति के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नव भारत 10 भोपाल मंगलवार 31 मई 2011

सांस्कृतिक कला शिविर का हुआ समापन

नगर पालिका प्रांगण में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

छतरपुर. 30 मई. संवाददाता. गांधी स्मारक आश्रम में एक माह तक चले सृजनात्मक युवा भारत योग संगीत कला शिविर का **समापन रविवार को नगर पालिका प्रांगण में हुआ.**

शिविर के मीडिया प्रभारी सौरभ तिवारी ने बताया कि ऋषिकुल आश्रम समिति के तत्वाधान में संगीत कला शिविर आयोजित हुआ था. समापन अवसर पर डॉ कृष्णगांधी कानपुर, डॉ सुनन्दा कीर्तन कानपुर, आरएसएस विभाग संचालक राजेन्द्र चतुर्वेदी, दुर्गा प्रसाद आर्य, प्रदीप खरे आदि अतिथि उपस्थित हुए. लोक प्रशिक्षक पंकज सोनी के मार्गदर्शन में बच्चों ने मंच पर योग क्रिया का प्रदर्शन किया. इसके तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रशिक्षक शालिनी सिंह गाजियाबाद के निदेशन में बच्चों ने कत्थक नृत्य व आकांक्षा तिवारी के निदेशन में गीतों की प्रस्तुति दी. संयोजक शिवपूजन तिवारी ने बच्चों को तबला वादन का प्रशिक्षण दिया.

हरिहर गोशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

नृत्य व गायन से बच्चों ने मोहा मन

दर्शकों ने तालियां बजाकर बढ़ाया उत्साह

छतरपुर @ पत्रिका
mp.patrika.com/city

मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गोशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान लवकुशनगर में चल रहे ग्रीष्म कालीन योग, कला, संगीत व नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया। इस दौरान गीत संगीत की महफिल सजाई गई। जिसमें एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गईं। जिसपर लोगों ने जमकर तालियां बजाई और बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

प्रशिक्षण शिविर में प्रस्तुति देते बच्चे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्व लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी प्रतिभा को प्रदर्शन का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए। लोगों में समृद्धता और जागरुकता के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं। इस दौरान नन्हें-मुन्ने बच्चों की विशेष वेष भूषा ने वहां उपस्थित सभी लोगों को अपना कायल बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की। इस अवसर पर महोबा के जिलाधिकारी वीरेश्वर सिंह, बीपी पटेल, अधिकारी शिवनारायण, लज्जाशंकर मिश्रा, रामबिहारी बाजपेई, रामकिशोर अनुरागी, बाबूराम सिंह व दीपक खरे मौजूद रहे।

सांध्य दैनिक
छतरपुर टाइम्स

छतरपुर 31 मई मंगलवार, 2016

देर रात तक छलका कला, संगीत व नृत्य का रस

लवकुशनगर 31 मई। म.प्र.जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन योग,कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिवरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा, प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करे। लोगों में व युवाओं में समृद्धता और जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की, विशिष्ठ अतिथि के रूप रूप में महोबा कलेक्टर वीरेंश्वर सिंह, यूपी. शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक वीपी पटेल, महोबा डीसीओ शिवनारायण, महोबा एसडीएम, एसडीओपी लवकुशनगर लज्जाशंकर मिश्रा, गौरिहार जनपद अध्यक्ष रामबिहारी बाजपेई, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिशोर अनुरागी, भजपा नेता बाबूराम सिंह, दीपक खरे, उपमा त्रिपाठी मौजूद रही। पुरानी तहसील परिसर में बने मुक्ताकाशी मंच पर कथक नृत्यांगना शालिनी सिंह की एकल व सामूहिक नृत्य प्रस्तुति को सबने सराहा। तुषार कोच के शिष्यों ने जूडो कुंग फू का प्रदर्शन किया। पूजा अहिरवार की

शिष्याओं ने रंगोली, मनीष परिहार और गीता धूरिया की युगल प्रस्तुति हम तो हैं परदेश में, श्री सेन एंड ग्रुप की नदिया चले, चले रे धारा खास रही। अंत में बुंदेलखंड के विख्यात मृदंग वादक स्वर्गीय झंडी लाल के सुपुत्र पंडित अवधेश द्विवेदी ने पखावज वादन और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष लक्ष्मूराम शुक्ला ने ध्रुपद गायन पेश कर कार्यक्रम को रोचक बना दिया। संस्था अध्यक्ष बीरेंद्र सर्राफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर शिक्षा सह निदेशक बीपी पटेल, बांदा कमिश्नर एल वैंकटेश्वर, मृदंग वादक पं. अवधेश द्विवेदी, चित्रकूट के लक्ष्मूराम शुक्ला, नपाध्यक्ष छतरपुर अर्चना सिंह, जलसंरक्षण के लिए राजेंद्र सिंह, समाजसेवा के लिए उमाशंकर पांडेय का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। संस्था सचिव डा. शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

छतरपुर
सागर, मंगलवार 31 मई, 2016 14
दैनिक भास्कर

प्रशिक्षण

ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत प्रशिक्षण समारोह का समापन

बच्चों के कथक नृत्य ने सभी का मन मोहा

भास्कर संवाददाता। लवकुशनगर

मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं. उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं और संगठनों में जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा, प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करें। लोगों में और युवाओं में समृद्धता और जागरुकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप रूप में महोबा कलेक्टर वीरेंश्वर सिंह, यूपी शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक बीपी पटेल, महोबा डीसीओ शिवनारायण, महोबा एसडीएम, एसडीओपी लवकुशनगर लज्जाशंकर मिश्रा, गौरिहार जनपद अध्यक्ष रामबिहारी बाजपेई, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिशोर अनुरागी, भजपा नेता बाबूराम सिंह, दीपक खरे, उपमा त्रिपाठी मौजूद रही।

इनका हुआ सम्मानः संस्था अध्यक्ष वीरेंद्र सर्राफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर शिक्षा सह निदेशक बीपी पटेल, बांदा कमिश्नर एल वैंकटेश्वर, मृदंग वादक पं. अवधेश द्विवेदी, चित्रकूट के लल्लूराम शुक्ला, नपाध्यक्ष छतरपुर अर्चना सिंह, जलसंरक्षण के लिए राजेंद्र सिंह, समाजसेवा के लिए उमाशंकर पांडेय का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। संस्था सचिव डा. शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार ज्ञापित किया। संचालन डा. वीके मिश्रा व मातादीन विश्वकर्मा ने किया।

लवकुशनगर। कथक नृत्य की सामूहिक प्रस्तुति देती हुई नन्ही कलाकार।

छतरपुर,मंगलवार 03 मई 2016

राज्य का आईना

हिन्दी दैनिक

प्रशिक्षण शिविरों से निखरती है प्रतिभा : सीईओ

पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन योग, संगीत, कला प्रशिक्षण शिविर शुरू

लवकुशनगर(निप्र.)। युवाओं में सृजनात्मक विकास के उद्देश्य को लेकर उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में ग्रीष्म कालीन योग, संगीत, कला, साहित्य शिविर लगाया गया है। रविवार को शिविर का समारोह पूर्व शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जनपद सीईओ श्री बरेड़िया ने अपने उदबोधन में कहा कि बुंदेलखंड के साथ लवकुशनगर क्षेत्र में प्रतिभाओं का भंडार है, बस जरूरत है उन्हें तरासने की। प्रतिभाओं को संवारने के लिए लगाया जा रहा शिविर एक सराहनीय कदम है। सभी युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होने कहा कि इस प्रकार के आयोजन अनवरत रूप से चलते रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता म.प्र.जनअभियान के जिला समन्वयक सुशील वर्मन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में दैनिक भास्कर के सीनियर रिपोर्टर राजेंद्र जड़िया, स्टेट बैंक कैशियर श्री सेन मौजूद रहे। संस्था प्रमुख डा.शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि शिविर में योगाभ्यास के साथ संगीत, साहित्य सृजन, जूड़ो कराटे, नृत्य का योग्य प्रशिक्षकों द्वारा निस्शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कत्थक के लिए बालाघाट से शालिनी सिंह महीने भर रहकर नृत्य की बारीकियां सिखाएंगी।

शनिवार, 30 अप्रैल, 2016

राज एक्सप्रेस

योंग, संगीत, कला शिविर एक मई से

लवकुशनगर। मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था श्री हरिहर गौशाला समिति एंव ऋषिकुल आश्रम समिति के संयुक्त तत्वाधान में एक मई से पूरे मह चलने वाले योग, संगीत, कला शिविर की शुरूआत होगी। मई की पहली तारीख से शुरू शिविर के माध्यम से गायन, वादन, नृत्य के अलावा अन्य विधाओं की बारीकियां सिखाई जायेंगी। शिविर का आयोजन पुरानी तहसील रिपटा चौराहा के पास प. उपेन्द्र नाथ ऋषि कुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय में होगा। मीडिया प्रभारी विकास गंगेले ने बताया कि 1 मई से महाविद्यालय में योग, संगीत तथा कला शिविर के माध्यम से गायन, वंदन, नृत्य के अलावा मेंहदी, रंगोली, जूडो-कराटे, मार्शल-आर्ट, बेसिक कंप्यूटर, साहित्य आदि के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जायेगा। शिविर के संयोजक शिवपूजन अवस्थी ने कहा कि ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान बच्चों को सृजनात्मकता से जोड़ने का यह एक प्रयास है। सुबह 6 से 9 बजे तथा शाम को 4 से 6 बजे तक शिविर चलेगा।

सांध्य दैनिक
छतरपुर टाइम्स

कार्यवाही की गयी।

सांध्य दैनिक
छतरपुर टाइम्स

साबित होगा। विधायक श्रीमती

योग संगीत कला शिविर से हो रहा प्रतिभाओं में निखार

लवकुशनगर 12 मई। नगर में चल रहे योग संगीत एवं कला शिविर में नगर की प्रतिभाओं को तराशने का कार्य कला विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय प्रांगण, पुरानी तहसील लवकुशनगर में म.प्र. जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति एवं हरिहर गौ शाला समिति के तत्वाधान में 01 मई से 29 मई 2016 तक चलने वाले योग संगीत एवं कला शिविर में पधारे कला विशेषज्ञों द्वारा नगर में 5 से 18 वर्ष के बच्चों को कला एवं कौशल का ज्ञान दिया जा रहा है। जिसमें बच्चों को योग, संगीत, कला, पेन्टिंग, मेंहदी, कम्प्यूटर शिक्षा, जूडो कराटे, रंगोली, कत्थक, गायन, तबला एवं ढोलक आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में जहां श्रीमती शालिनी सिंह गाजियाबाद द्वारा कत्थक की बारीकियां बच्चियों को सिखाई जा रही हैं वहीं गीता धूरिया द्वारा बच्चों के स्वरों को तराशने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही तबला, ढोलक की बारीकियां विश्वनाथ राय, बृजगोपाल विश्वकर्मा द्वारा बताई जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर कौशल का ज्ञान देने के लिये आर.बी. तिवारी द्वारा भी बेहतर प्रयास किया जा रहा है। आत्मरक्षार्थ शहर के बच्चियों एवं बच्चों को जूडो कराटे कुंगफू का गुर सिखाने का काम मेघालय से आये तुसार कोच बखूबी निभा रहे हैं। इसमें बच्चों का उत्साह देखते ही बनता है। इस संबंध में जानकारी देते हुये शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि संस्था द्वारा योग संगीत एवं कला शिविर का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभाओं को निखारना और तराशना है। वहीं योग एवं दैनिक क्रियाओं से स्वयं को स्वस्थ रहने का गुर सिम्मी बाजपेई एवं श्री अवस्थी के साथ आगन्तुक अतिथियों द्वारा सिखाया जा रहा है। आयोजित शिविर में देवांश सिंह सेंगर, रामावतार विश्वकर्मा, जयराम पाल, देवेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर
सागर, मंगलवार 31 मई, 2016

प्रशिक्षण

ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत प्रशिक्षण समारोह का समा

बच्चों के कथक नृत्य ने सभी का म

भास्कर संवाददाता। लवकुशनगर

लवकुशनगर। कथक नृत्य की सामूहिक प्रस्तुति देती हुई नन्ही कलाकार।

मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं. उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं और संगठनों में जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा, प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करें। लोगों में और युवाओं में समृद्धता और जागरुकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप रूप में महोबा कलेक्टर वीरेंश्वर सिंह, यूपी शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक वीपी पटेल, महोबा डीसीओ शिवनारायण, महोबा एसडीएम, लज्जाशंकर अध्यक्ष र परिषद अ अनुरागी, दीपक खरे, इनका हुआ बीरेंद्र सराफ स्वागत कि निदेशक बी एल वैंकटे अवधेश द्विव शुक्ला, नपा सिंह, जलसंस समाजसेवा के का शाल श्री गया। संस्था अवस्थी ने स किया। संचाल मातादीन विश्व

दैनिक भास्कर
सागर, बुधवार 18 मई, 2016 15

प्रशिक्षण शिविर में नौनिहाल सीख रहीं कला की बारीकियां

लवकुशनगर। ग्रीष्मकालीन शिविर में कत्थक की बारीकियां सीखती छात्राएं।

भास्कर संवाददाता | लवकुशनगर

म.प्र.जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान में पं. उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस निशुल्क शिविर में योग, संगीत, नृत्य, रंगोली, मेंहदी और मर्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आयोजन समिति के प्रमुख डा. शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि लवकुशनगर क्षेत्र में प्रतिभाओं का भंडार है लेकिन उन्हें तरासने व संवारने वाला चाहिए। समिति इन प्रतिभाओं को संवारने व तरासने के उद्देश्य से हर साल ग्रीष्म कालीन शिविर आयोजित करती है। इस साल आयोजित शिविर में गीत धूरिया गायन, विश्वनाथ राय तबला और ढोलक,

मार्शल आर्ट व कथक में दिखा उत्साह

इस प्रशिक्षण शिविर में अन्य विधाओं के अलावा पहली बार आयोजित मार्शल आर्ट की कक्षाओं को लेकर युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। छात्र छात्राएं मार्शल आर्ट की तुषार कोच से बारीकियां सीख रही हैं। वहीं शालिनी सिंह की कथक कक्षाओं में भी छात्राओं की खासी भीड़ रहती है।

पूजा अहिरवार रंगोली व मेंहदी, शालिनी सिंह कथक और मेघालय से आए तुषार कोच मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दे रहे है। उन्होंने बताया कि सुबह 6 बजे से प्रतिभागी छात्र छात्राएं कक्षाओं में आ जाती हैं। इस शिविर में छात्र छात्राओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। शिविर का समापन 29 मई को समारोह पूर्वक किया जाएगा।

14 | नईदुनिया | ग्वालियर, शुक्रवार 13 मई 2016

आयोजन

महाविद्यालय प्रांगण पुरानी तहसील में योग संगीत एवं कला शिविर जारी

विभिन्न विधाओं में बच्चे हो रहे हैं माहिर

लवकुशनगर। नगर में चल रहे योग संगीत एवं कला शिविर में नगर की प्रतिभाओं को तरासने का कार्य कला विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला महाविद्यालय प्रांगण पुरानी तहसील लवकुशनगर में मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम समिति एवं हरिहर गौशाला समिति के तत्वावधान में 1 से 29 मई 2016 तक चलने वाले योग संगीत एवं कला शिविर में उपस्थित कला विशेषज्ञों द्वारा नगर में 5 से 18 वर्ष के बच्चों को कला एवं कौशल का ज्ञान दिया जा रहा है।

ग्रीष्मकालीन शिविर में नृत्य सिखाते प्रशिक्षक।

इसमें बच्चों को योग, संगीत, कला, पेन्टिंग, मेहंदी, कम्प्यूटर शिक्षा, जूडो कराटे, रंगोली, कत्थक, गायन, तबला एवं ढोलक आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गाजियाबाद से आई शालिनी सिंह द्वारा कत्थक की बारीकियां बच्चियों को सिखाई जा रही हैं। वहीं गीता घूरिया द्वारा बच्चों के स्वरों को तरासने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही तबला, ढोलक की बारीकियां विश्वनाथ राय, बृजगोपाल विश्वकर्मा द्वारा बताई जा रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर कौशल का ज्ञान देने के लिए आरबी तिवारी द्वारा भी बेहतर प्रयास किया जा रहा है। आत्मरक्षार्थ बच्चियों एवं बच्चों को जूडो कराटे, कुंगफू का गुर सिखाने का काम मेघालय से आए तुसार कोच बखूबी निभा रहे हैं। इसमें बच्चों का उत्साह देखते ही बनता है। संस्थान के पदाधिकारी शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि संस्था द्वारा योग संगीत एवं कला शिविर का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभाओं को निखारना और तरासना है। शिविर में योग शिक्षक सिम्मी बाजपेयी द्वारा योग के गुर सिखाए जा रहे है। शिविर में देवांश सिंह सेंगर, रामावतार विश्वकर्मा, जयराम पाल, देवेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

सागर, शुक्रवार 29 अप्रैल, 2016 14
दैनिक भास्कर

गांधी आश्रम में कला प्रशिक्षण में युवाओं को सिखाए जाएंगे हुनर

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

महाराजा छत्रसाल संगीत एवं कला महाविद्यालय के तत्वावधान में गांधी आश्रम में संगीत और चित्रकला शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह ग्रीष्म कालीन शिविर 1 मई से शुरू होगा। शिविर में तबला हारमोनियम, ढोलक, कांगो, गिटार बादन,क्ले आर्ट, हीलिंग उपचार, मेंहदी और नृत्यकला तथा चित्रकला का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस शिविर का आयोजन एक माह तक चलेगा। समापन अवसर पर उत्कृष्ट कलाकृतियों का चयन किया जाएगा।

लवकुशनगर में भी लगेगा शिविर: युवाओं के सृजनात्मक विकास के उद्देश्य से नगर में 1 मई से योग संगीत शिविर का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस शिविर का आयोजन म.प्र. जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था हरिहर गौशाला और ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति के द्वारा पुरानी तहसील के पास किया जाएगा।

ग्वालियर, बुधवार 01 जून 2016 | नईदुनिया | 15

आयोजन — ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन

देर रात तक चला नृत्य और संगीत का जादू

लवकुशनगर। मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन किया गया। जिसमें देर रात तक कला, संगीत और नृत्य का जादू चला जिसमें दर्शक प्रस्तुतियों के सम्मोहन में बंधे रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिवरों का आयोजन, स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा और प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि छतरपुर नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करें। लोगों में और युवाओं में समृद्धता और जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की।

लवकुशनगर। मंच पर प्रस्तुतियां देते बच्चे।

मुक्ताकाशी मंच पर खास रही प्रस्तुतियां

पुरानी तहसील परिसर में बने मुक्ताकाशी मंच पर कथक नृत्यांगना शालिनी सिंह की एकल व सामूहिक नृत्य प्रस्तुति को सभी ने सराहा। तुषार कोच के शिष्यों ने जूडो कुंगफू का प्रदर्शन किया। पूजा अहिरवार की शिष्याओं ने रंगोली, मनीष परिहार और गीता धूरिया की युगल प्रस्तुति हम तो हैं परदेश में, श्रीसेन एंड ग्रुप की नदिया चले, चले रे धारा पर प्रस्तुति खास रही। कार्यक्रम के अंत में बुंदेलखंड के विख्यात मृदंग वादक स्वर्गीय झंडी लाल के सुपुत्र पंडित अवधेश द्विवेदी ने पखावज वादन और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष लल्लूराम शुक्ला ने ध्रुपद गायन पेश करके कार्यक्रम को रोचक बना दिया।

छतरपुर

14 | नईदुनिया | ग्वालियर, बुधवार 01 जून 2016

आयोजन

ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन

देर रात तक चला नृत्य और संगीत का जादू

लवकुशनगर। मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं. उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्मकालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन किया गया। जिसमें देर रात तक कला, संगीत और नृत्य का जादू चला जिसमें दर्शक प्रस्तुतियों के सम्मोहन में बंधे रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा और प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि छतरपुर नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करे। लोगों में और युवाओं में समृद्धता और जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की।

लवकुशनगर। मंच पर प्रस्तुतियां देते बच्चे।

मुक्ताकाशी मंच पर खास रहीं प्रस्तुतियां

पुरानी तहसील परिसर में बने मुक्ताकाशी मंच पर कथक नृत्यांगना शालिनी सिंह की एकल व सामूहिक नृत्य प्रस्तुति को सभी ने सराहा। तुषार कोच के शिष्यों ने जूडो कुंगफू का प्रदर्शन किया। पूजा अहिरवार की शिष्याओं ने रंगोली, मनीष परिहार और गीता धूरिया की युगल प्रस्तुति हम तो हैं परदेश में, श्रीसेन एंड ग्रुप की नदिया चले, चले रे धारा पर प्रस्तुति खास रही। कार्यक्रम के अंत में बुंदेलखंड के विख्यात मृदंग वादक स्वर्गीय झंडी लाल के सुपुत्र पंडित अवधेश द्विवेदी ने पखावज वादन और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष लल्लूराम शुक्ला ने ध्रुपद गायन पेश करके कार्यक्रम को रोचक बना दिया।

छतरपुर 31 मई मंगलवार, 2016

सांध्य दैनिक
छतरपुर टाइम्स

देर रात तक छलका कला, संगीत व नृत्य का रस

लवकुशनगर 31 मई। म.प्र.जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन योग, कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिवरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। उन्होने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा, प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करे। लोगों में व युवाओं में समृद्धता और जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप रूप में महोबा कलेक्टर वीरेंश्वर सिंह, यूपी. शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक वीपी पटेल, महोबा डीसीओ शिवनारायण, महोबा एसडीएम, एसडीओपी लवकुशनगर लज्जाशंकर मिश्रा, गौरिहार जनपद अध्यक्ष रामबिहारी बाजपेई, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिशोर अनुरागी, भजपा नेता बाबूराम सिंह, दीपक खरे, उपमा त्रिपाठी मौजूद रही। पुरानी तहसील परिसर में बने मुक्ताकाशी मंच पर कथक नृत्यांगना शालिनी सिंह की एकल व सामूहिक नृत्य प्रस्तुति को सबने सराहा। तुषार कोच के शिष्यों ने जूडो कुंग फू का प्रदर्शन किया। पूजा अहिरवार की

शिष्याओं ने रंगोली, मनीष परिहार और गीता धूरिया की युगल प्रस्तुति हम तो हैं परदेश में, श्री सेन एंड ग्रुप की नदिया चले, चले रे धारा खास रही। अंत में बुंदेलखंड के विख्यात मृदंग वादक स्वर्गीय झंडी लाल के सुपुत्र पंडित अवधेश द्विवेदी ने पखावज वादन और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष लखूराम शुक्ला ने ध्रुपद गायन पेश कर कार्यक्रम को रोचक बना दिया। संस्था अध्यक्ष बीरेंद्र सर्राफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर शिक्षा सह निदेशक बीपी पटेल, बांदा कमिश्नर एल वैंकटेश्वर, मृदंग वादक पं. अवधेश द्विवेदी, चित्रकूट के लखूराम शुक्ला, नपाध्यक्ष छतरपुर अर्चना सिंह, जलसंरक्षण के लिए राजेंद्र सिंह, समाजसेवा के लिए उमाशंकर पांडेय का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। संस्था सचिव डा. शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

राज्य का आई...

छतरपुर,मंगलवार 03 मई 2016

प्रशिक्षण शिविरों से निखरती है प्रतिभा : ...

पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन योग, संगीत, कला प्रशिक्षण शिविर शुरू

लवकुशनगर(निप्र.)। युवाओं में सृजनात्मक ... उद्देश्य को लेकर उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में ग्रीष्म का... संगीत, कला, साहित्य शिविर लगाया गया है। रविवार को ... समारोह पूर्व शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के ... मौजूद जनपद सीईओ श्री बरेड़िया ने अपने उदबोधन में ... बुंदेलखंड के साथ लवकुशनगर क्षेत्र में प्रतिभाओं का भंडार ... जरूरत है उन्हें तरासने की। प्रतिभाओं को संवारने के लिए लगा... रहा शिविर एक सराहनीय कदम है। सभी युवाओं को लक्ष्य नि... कर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होने कहा कि इस प्रकार के आ... अनवरत रूप से चलते रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता म.प्र.जनअभियान के जिला समन्व... सुशील वर्मन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में दैनिक भास्कर ... सीनियर रिपोर्टर राजेंद्र जड़िया, स्टेट बैंक कैशियर श्री सेन मौजूद ... संस्था प्रमुख डा.शिवपूजन अवस्थी ने बताया कि शिविर में योगाभ्या... के साथ संगीत, साहित्य सृजन, जूडो कराटे, नृत्य का योग्य प्रशिक्ष... द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कत्थक के लिए आलापार... शालिनी सिंह महीने भर रहकर नृत्य की बारीकियां ...

छतरपुर, बुधवार 01 जून 2016

दैनिक शुभ भारत

ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

लवकुशनगर (एस.बी.न्यूज) 31 मई। म.प्र.जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था ऋषिकुल आश्रम सेवा समिति और हरिहर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान पं.उपेंद्रनाथ कला महाविद्यालय में एक माह तक चले ग्रीष्म कालीन योग कला, संगीत, नृत्य प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकूट मंडल के कमिश्नर एन वैंकटेश्वर लू ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गर्मियों की छुट्टियों में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन स्कूलों, संस्थाओं व संगठनों में जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी हुई ऊर्जा, प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

विशिष्ट अतिथि छतरपुर नपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज ऐसे आयोजनों के लिए आगे आए, सहयोग करे। लोगों में व युवाओं में समृद्धता और जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम जरूरी हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बांदा उपभोक्ता फोरम के जज भूपेंद्र शुक्ला ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप रूप में महोबा कलेक्टर वीरेंश्वर सिंह, यूपी. शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक वीपी पटेल, महोबा डीसीओ शिवनारायण, महोबा एसडीएम, एसडीओपी लवकुशनगर लज्जाशंकर मिश्रा, गौरिहार जनपद अध्यक्ष रामबिहारी बाजपेई, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिशोर अनुरागी, भाजपा नेता बाबूराम सिंह, दीपक खरे, उपमा त्रिपाठी मौजूद रही। पुरानी तहसील परिसर में बने मुक्ताकाशी मंच पर कथक नृत्यांगना शालिनी सिंह की एकल व सामूहिक नृत्य प्रस्तुति को सबने सराहा। तुषार कोच के शिष्यों ने जूडो कुंग फू का प्रदर्शन किया। पूजा अहिरवार की शिष्याओं ने रंगोली, मनीष परिहार और गीता धूरिया की युगल प्रस्तुति हम तो हैं परदेश में, श्री सेन एंड ग्रुप की नदिया चले, चले रे धारा खास रही। अंत में बुंदेलखंड के विख्यात मृदंग वादक स्वर्गीय झंडी लाल के सुपुत्र पंडित अवधेश द्विवेदी ने पखावज वादन और चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष लल्लूराम शुक्ला ने ध्रुपद गायन पेश कर कार्यक्रम को रोचक बना दिया। संस्था अध्यक्ष बीरेंद्र सर्राफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर शिक्षा सह निदेशक बीपी पटेल, बांदा कमिश्नर एल वैंकटेश्वर, मृदंग वादक पं. अवधेश द्विवेदी, चित्रकूट के लल्लूराम शुक्ला, नपाध्यक्ष छतरपुर अर्चना सिंह, जलसंरक्षण के लिए राजेंद्र सिंह, समाजसेवा के लिए उमाशंकर पांडेय का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। संस्था सचिव डा. शिवपूजन अवस्थी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

छतरपुर, बुधवार 01 जून 2016

दैनिक पेपटेक टाइम्स

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

लवकुशनगर। हम जैसा सोचेंगे वैसे ही हमारे कर्म होंगे सकारात्मक सोच के बल पर आदमी मुश्किल काम भी आसानी से कर सकता है वहीं नकारात्मक सोच व्यक्ति को अकर्मण्य बनाती है। श्री राम जी सकारात्मक सोच के सबसे बड़े उदाहरण रहे है। उन्होंने सकारात्मक सोच के चलते ही जीवन में आनेवाली हर समस्या को हँसते हँसते हल किया। उक्त विचार व्यक्त करते हुए चित्रकूट मण्डल उत्तरप्रदेश के आयुक्त श्री वेंकेश्वर लू ने पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला मंच के एक कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित किया।

पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला मंच के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न विधाओं में अपनी कला को दिखाया। यह कला बच्चों ने संस्था के ग्रीष्म कालीन शिविर में सीखी थीं। इस कर्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर पालिका छतरपुर अध्यक्ष अर्चना सिंह, जनपद पंचायत गौरिहार अध्यक्ष रामविशाल बाजपेयी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उपमा त्रिपाठी,के साथ ही कलेक्टर वीरेश्वर सिंह, महोबा, सीजीओ शिवनारायण, महोबा, बीपी पटेल मंडली सहायक निदेशक मुरादाबाद विशेष रूप से उपस्थित थे।

ग्रीष्म कालीन शिविर में बच्चों ने लिया कई विधाओं में प्रशिक्षण

पं. उपेन्द्रनाथ ऋषिकुल बहुउद्देशीय कला मंच के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में कुंग फु, कत्थक, नृत्य, गायन वादन, मेंहदी,आदि विधाओं में बच्चों को पारंगत किया गया था। जिसमे प्रमुख रूप से कत्थक में शालिनी सिंह गाजियाबाद, कुंगफू में तुषार जी मेघालय, गायन में मनीष सिंह परिहार बालाघाट ,और गीता धूरिया बाँदा ने विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया।

मृदंग सुन श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

देश के प्रख्यात मृदंगवादक बाँदा घराने से जुड़े पं. अवधेश महाराज ने कार्यक्रम में सभी श्रोताओं को अपने मृदंग वादन से मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ ही ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में से आये प्रोफ़ेसर लल्लूराम शुक्ला जी ने हारमोनियम में संगत दिया।पं अवधेश महाराज ने तीन ताल में निबद्ध छोटा ताल क[illegible]दरा,कहरवा, दीप, चन्दी में मृदंग की अनूठी विधा से परिचित कराया।

वहीं जल स्वावलंबन अभियान के अन्तर्गत पिछले कुछ वर्षों में किये गए अभूतपूर्व प्रयासों से नगर में जल संरक्षण की मिसाल राजेंद देव सिंह को आयुक्त चित्रकूट धाम श्री वेंकटेश्वर लू ने सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन बीके मिश्रा और मातादीन विश्वकर्मा ने किया।

निर्विरोध चुने गए उदल सिंह समिति अध्यक्ष

बड़ामलहरा। सेवा सहकारी समिति भगवा में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव संपन्न हुआ जिसमे निर्विरोध उदल सिंह पिता खुमान सिंह निवासी कुड़ेला को अध्यक्ष चुना गया। सेवा सहकारी समिति भगवा में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी के रूप में के के गुप्ता ने पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए एक ही फर्म आने पर प्रत्याशी को निर्विरोध चुना गया इसके लिए संचालक मंडल में 11 सदस्य को वो[illegible]लनी थी और जिसमें से 9 [illegible] प्रक्रिया में भाग लिया। चुनाव प्रक्रिया में गुड्डी राजा उपाध्यक्ष,श्रीमति मनोरमा जैन, महेंद्र सिंह दाउ साहब ,जितेंद्र सिंह, पहलवान सिंह ,मोहनलाल रैकवार ,मानक लाल यादव, बग्गा [illegible]